अवध की आवाज

www.avadhkaawaz.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

वर्ष–12 अंक–178 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ शनिवार 28 अक्टूबर 2023 पृष्ठ – 4 मूल्य–3 रूपया

तीन दिवसीय श्रीअन्न महोत्सव का शुभारंभ,

योगी ने देखी राज्य स्तरीय प्रदर्शनीय कृषि मंत्री बोले, एमएसपी पर खरीद की व्यवस्था भी बढ़ाई

लखनऊ। प्रदेश की राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रीअन्न महोत्सव का शुभारंभ किया गया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के साथ श्रीअन्न प्रदर्शनी को देखी। अन्तर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष–2023 के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरुद्धार कार्यक्रम के अंतर्गत श्री अन्न महोत्सव (27 से 29 अक्टूबर, 2023) तथा राज्यस्तरीय श्री अन्न प्रदर्शनी एवं कार्यशाला का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करते हुए। सीएम योगी ने कृषि विभाग को अन्न महोत्सव के आयोजन के लिए बधाई दी। इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि पिछली सदी के छठे–सातवें दशक तक बहुत हद तक मोटे अनाज की उपज होती थी, ये वैदिक काल से होता आया उस समय मे भी इसकी उपयोगिता रही, बस नाम अलग होता था। सीएम ने कहा कि आज मिलेट्स के प्रति लोगो की जागरूकता बढ़ी है, मेरा जन्म उत्तराखण्ड मे हुआ तो वहां इसका प्रभाव ज्यादा था। वहां लोग सामान के बदले यही मोटे अनाज देकर खरीदते थे। आज भी हमारे गांवों मे हाट बजार मे यह प्रथा है। कार्यक्रम की शुभारंभ में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की नेतृत्व में करीब यूपी 30 जिलों में मिलेट्स अनाजों की खरीद एमएसपी के रेट पर की जा रही है। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया मिलट्स वर्ष मना रही है। पीएम मोदी मिलट्स को देश–दुनिया के सामने लाए। हैं। इससे भारतीय किसानों को बहुत फायदा होगा। उन्होंने कहा कि श्रीअन्न की खेती करने से किसानों की आय बढ़ेगी। देश के साथ पश्चिमी देशों में भी अन्न की मांग बढ़ी है। श्रीअन्न की कीमतों में इजाफा हुआ है। हम प्राकृतिक खेती पर भी काम कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने एएमयू के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग को 5जी लैब किया अवार्ड

अलीगढ़, (यूएनएस)। भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय मोबाइल कांग्रेस 2023 में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग को '5जी उपयोग केस प्रयोगशाला' से सम्मानित किया। यह समारोह 27 अक्टूबर को भारत मंडपम, नई दिल्ली में 'प्रौद्योगिकी के माध्यम से गरीबों के जीवन में बदलाव ला रहा भारत' विषय के तहत आयोजित किया गया था। यह समारोह हाइब्रिड–मोड में आयोजित कार्यक्रम था जिसे इंटरनेट माध्यम से लाइव स्ट्रीम किया गया था। यह लैब सामाजिक प्रगति के लिए 5जी तकनीक में नवाचार को बढ़ावा देती है। '100 5जी लैब पहल' का अनावरण करते हुए प्रधान मंत्री ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक–आर्थिक क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देना और भारत में 6जी के लिए तैयार पारिस्थितिकी तंत्र के लिए मार्ग प्रशस्त करना है। ये प्रयोगशालाएं 5जी और उससे आगे की प्रौद्योगिकियों में छात्रों और शिक्षाविदों की विशेषज्ञता को बढ़ाएंगी, साथ ही ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों के लिए भारतीय–विशिष्ट 5जी अनुप्रयोगों को विकसित करने के लिए शिक्षा–उद्योग साझेदारी को प्रोत्साहित करेंगी।

एएमयू के कैनेडी ऑडिटोरियम में लाइव–स्ट्रीम किये गए कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर मोहम्मद गुलरेज, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय के डीन, जाकिर हुसैन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के प्रिंसिपल और शिक्षकों और विभिन्न संस्थानों के छात्रों सहित 1500 से अधिक लोग मौजूद रहे। उपस्थित लोगों में 5जी/6जी क्षेत्र में प्रगति के बारे में जानने के लिए कार्यक्रम और अवसर के बारे में जानने कि जिज्ञासा देखी गयी। एएमयू के कुलपति प्रोफेसर मोहम्मद गुलरेज ने संचार, सूचना प्रौद्योगिकी और अनुसंधान में इसकी ताकत पर जोर देते हुए संस्थान की उपलब्धि की सराहना की। उन्होंने कहा कि वह इस पहल को एएमयू को एक तकनीकी नेतृत्व और नवाचार के केंद्र के रूप में स्थापित करने में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखते हैं। संपूर्ण एएमयू समुदाय 5जी प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों के भविष्य पर इस प्रतिष्ठित प्रयास के सकारात्मक प्रभाव का उत्सुकता से इंतजार कर रहा है।

इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. इकराम खान ने इस प्रतिष्ठित सम्मान पर शिक्षकों और छात्रों को बधाई दी। नई 5जी लैब कृषि, अलीगढ़ स्मार्ट सिटी और अलीगढ़ डिफेंस कॉरिडोर जैसे क्षेत्रों के लिए उपयोग के मामले विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह उपलब्धि एएमयू के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और 5जी तकनीक में अत्याधुनिक प्रगति के लिए मंच प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय राष्ट्र की तकनीकी प्रगति और सामाजिक परिवर्तन में योगदान देने के लिए तत्पर है।

संक्षिप्त समाचार

मां की हत्या करने वाले बेटे को पुलिस ने दबोचा

बहराइच। जिले के पौंडा गांव में मां की पीट–पीटकर हत्या करने वाले आरोपी बेटे को पुलिस ने दबोच लिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मोतीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत पौंडा के मेढ़किहा निवासी कुन्नी देवी के पुत्र विरेन्द्र पुत्र होली और उसके बड़े भाई से गुरुवार को विवाद हो रहा था।

विवाद में मामले को शांत कराने के लिए मां कुन्नी देवी पहुंच गई। बेटे विरेंद्र ने मां पर हमला कर दिया। डंडे से हमले में मां को गंभीर चोटे लगी। जिससे महिला की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक महिला के बड़े पुत्र हीरा लाल की तहरीर पर गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया था। एसपी प्रशांत वर्मा ने गांव का दौराकर जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार किए जाने के निर्देश दिए थे। प्रभारी निरीक्षक श्रीधर पाठक ने बताया कि उप निरीक्षक विजय कुमार, सिपाही विकास सिंह, अशोक तिवारी और गणेश पाण्डेय की टीम ने आरोपी बेटा विरेंद्र को मेढ़किया से बलईगाव जाने वाली सड़क के किनारे से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। हमले में प्रयुक्त डंडे को बरामद कर सीज कर दिया है।

ज्वैलर्स को लूटने वाले तीनों बदमाशों से पुलिस की मुठभेड़,एक के पैर में गोली लगी

आगरा। आगरा में ज्वेलर को लूटने वाले तीनों बदमाशों को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। एक बदमाश के पैर में गोली लगी है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनके पास से लूट का माल भी बरामद हुआ है। उसने पूछताछ में बताया कि पत्नी के लिए उसने लूट की, उसे महंगे गहने पहनने का शौक है।

3 दिन पहले, मंगलवार को करकुंज चौराहा पर पीएस ज्वेलर्स पर दिनदहाड़े लूट हुई थी। बदमाशों ने कारोबारी को बंधक बनाकर करीब साढ़े पांच लाख रुपए की ज्वेलरी और कैश लूट लिया था। वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई थी। बदमाशों को पकड़ने के लिए पुलिस की टीमें लगी थीं। डीसीपी सिटी सूरज राय ने बताया कि गुरुवार रात को सिकंदरा के जेसीबी चौराहे पर पुलिस ने संदिग्ध लोगों को देखा। पुलिस के रोकने पर उन्होंने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग की। बदमाश अजय उर्फ पिंटू निवासी सदर आगरा के पैर में गोली लगी। जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। उसके दो अन्य साथी राहुल और रोहित कर्दम को भी पकड़ लिया है। इनके पास से लूट की रकम और जेवरात बरामद हुए हैं। घायल बदमाश पर 25 हजार रुपए का इनाम भी घोषित था। डीसीपी सिटी सूरज राय ने बताया कि आगरा के करकुंज चौराहे पर तीन बदमाशों को पकड़ लिया है। उन्होंने बताया कि वो पहले भी कई बार घटना को अंजाम दे चुके हैं।

युवा पर्यटन क्लब के सदस्यों ने झांसी व आगरा के कई गांवों का किया भ्रमण

ग्रामवासियों को ग्रामीण पर्यटन की जरूरत के बारे में दी जानकारी

ग्रामीण पर्यटन पर राज्य सरकार का विशेष फोकस : जयवीर सिंह

लखनऊ,(यूएनएस)। ग्रामीण पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार और आमदनी की प्रचुर सम्भावनाओं को देखते हुए पर्यटन विभाग ग्रामीण पर्यटन पर विशेष जोर दे रहा है। इसके अन्तर्गत युवा टूरिज्म क्लब के सदस्यों को ग्रामीणों को आतिथ्य सत्कार के लिए जागरूक किया जा रहा है। ग्रामीण पर्यटन के अन्तर्गत 19 गांवों का चयन किया गया है। इन गांवों में विभागीय टीम के साथ टूरिज्म क्लब के सदस्यों को गांवों में भेजकर गांवों के लोगों को जागरूक किया जा रहा है कि ग्रामीण पर्यटन मौजूदा समय के लिए कितना उपयोगी है क्योंकि गांववासियों के लिए आजीविका का साधन कैसे बन सकता है और उन्हें इसके लिए क्या तैयारी करनी है। प्रदेश के पर्यटन और संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि ग्रामवासियों को आतिथ्य सत्कार की जानकारी देने के लिए शुक्रवार को झांसी के बरूआ सागर तथा आगरा के होलीपुरा, बटेश्वर, शौर्यपुरा में विभागीय टीम तथा युवा पर्यटन क्लब के छात्र–छात्राओं का एक दल भ्रमण पर गया था। इस दल ने नजदीक से ग्रामीण जीवन से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों को देखा और ग्रामीण पर्यटन के बारे में ग्रामवासियों को जागरूक किया। ग्रामीण पर्यटन में आजीविका की असीमित सम्भावनाओं को देखते हुए युवा पर्यटन क्लब के सदस्यों को गांवों का भ्रमण कराया जा रहा है। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग का ग्रामीण पर्यटन पर काफी जोर है। रूरल

टूरिज्म के तौर पर विकसित करने के लिए प्रदेश के 229 गांवों का चयन किया गया है। इन्हीं में से 19 गांव चिह्नित किए गए हैं जहां युवा टूरिज्म क्लब के सदस्य भ्रमण करेंगे। ये ग्रामीणों को जागरूक करने के साथकृसाथ ग्रामीण परिवेश, मिट्टी–पानी, खेती–किसानी, रहन–सहन, सामाजिक व्यवस्था, कला एवं साहित्य आदि को करीब से देखेंगे और समझेंगे कि यहां पर्यटन के अवसरों को कैसे बढ़ाया जा सकता है। जयवीर सिंह ने बताया कि शुक्रवार को झांसी के बरुआ सागर में विभागीय टीम के साथ–साथ युवा पर्यटन क्लब के छात्र–छात्राएं पहुंचे। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के छात्र भी थे। महिलाओं ने उनका गर्म जोशी से स्वागत किया और लोकगीत गाए। बच्चों ने कुम्हार परिवार के यहां मिट्टी के दीये बनाने की तरकीब देखी। ऐतिहासिक और पौराणिक धरोहर एवं यहां स्थित मुख्य पर्यटन स्थान जराय का मठ, बरुआसागर किला, झरना, कंपनी बाग आदि स्थलों के भ्रमण किए और गांव में पारंपरिक विधि से तैयार भोजन का लुत्फ उठाया। आगरा के होलीपुरा में 38 हवेली, बटेश्वर में 40 मंदिरों और शौर्यपुरा में जैनमंदिर का भ्रमण खास रहा। यहां छात्रों ने इन हवेलियों और मंदिरों के इतिहास को भी जाना। जयवीर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश के पास ग्रामीण पर्यटन का महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल बनने की क्षमता है। गांवों में भ्रमण कर ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है। उन्हें बताया जा रहा है कि किसी प्रकार पर्यटन का क्षेत्र उनके लिए एक महत्वपूर्ण आजीविका का साधन बन सकता है। साथ ही छात्रों को ग्रामीण पर्यटन की संभावनाओं से परिचित कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विगत साढ़े 6 वर्षों में उत्तर प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास से भारी बदलाव आया है। देशी–विदेशी पर्यटकों का उत्तर प्रदेश पहली पसंद बनता जा रहा है। इसका मुख्य कारण कानून–व्यवस्था में बेहतर सुधार तथा किसी भी जनपद में कम समय में पहुंचने के लिए कनेक्टिविटी है। परम्परागत पर्यटन के साथ–साथ ग्रामीण पर्यटन को भविष्य के लिए एक नये क्षेत्र के रूप में आगे लाने का प्रयास किया जा रहा है।

डीएम ने अमृत कलश यात्रा में आने वाले वॉलिंटियर्स ठहरने की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया

लखनऊ,(यूएनएस)। लखनऊ में आयोजित होने वाली अमृत कलश यात्रा में शामिल होने विभिन्न जनपदों से आने वाले वॉलिंटियर्स के ठहरने की व्यवस्थाओं को लेकर जिलाधिकारी सूर्य पाल गंगवार द्वारा रमाबाई रैली स्थल, अवध शिल्पग्राम और के डी सिंह बाबू स्टेडियम का निरीक्षण किया गया। उप जिलाधिकारी सदर द्वारा बताया अभी तक 7 जनपदों से 39 लोग आ चुके है। स्टेडियम छात्रावास में महिलाओं के ठहरने की व्यवस्था की गई है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिए गए की पूरे परिसर और सभी हालों में साफ सफाई और फागिंग की व्यवस्था कराने को कहा है। उप जिलाधिकारी मोहनलालगंज द्वारा बताया 5 जनपदों से लगभग 90 लोग आ गए हैं। उन्होंने बताया की अवध शिल्पग्राम की डोरमेट्री और 2 बैंक्वेट हॉल में अतिथियों के ठहरने की व्यवस्था की गई है। अवध शिल्पग्राम में व्यवस्थाओं का जायजा लेने के बाद जिलाधिकारी रमाबाई रैली स्थल पहुंचे। उप जिलाधिकारी सरोजनीनगर द्वारा बताया गया की अभी तक लगभग 18 जनपदों से 350 लोग आ चुके है। साथ ही सभी स्थलो पर विकास खंडों से कर्मचारियों व अधिकारियों की ड्यूटी अतिथियों के सहयोग हेतु लगाई गई है। उक्त निरीक्षण में नगर मजिस्ट्रेट सिद्धार्थ, उप जिलाधिकारी सदर अंकित शुक्ला, उप जिलाधिकारी मोहनलालगंज हनुमान प्रसाद, उप जिलाधिकारी सरोजनीनगर सचिन वर्मा व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जनजातीय समाज के लोग करेंगे बाबा विश्वनाथ का दर्शन,नमो घाट पर गंगा स्नान करने के बाद पहुंचेंगे मंदिर

वाराणसी,(यूएनएस)। बाबा विश्वनाथ के धाम में जनजातीय समाज द्वारा धर्म, संस्कृति, परम्परा के संरक्षण और संवर्धन किया जाएगा। इसके लिए 111 प्रतिनिधि,13 जिले, 45 विकास खण्डों और 1828 गांवों के 18 जनजाति समूहों के लोग भी मंदिर में शीश नवाएंगे। यह कार्यक्रम 29 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से प्रारंभ हो जायेगा। जिसका मुख्य आयोजन विश्वनाथ मंदिर के चौक क्षेत्र में किया जायेगा। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुनील वर्मा ने बताया कि जनजाति समाज के लोग बनारस के धार्मिक कलेवर से जुड़ाव महसूस करेंगे। 29 अक्टूबर को सभी वनवासी सुबह 10 बजे नमो घाट पर पहुंचेंगे। वहां पर गंगा स्नान करेंगे और उसके बाद नावों और बछड़ों पर सवार होकर श्रीकाशी विश्वनाथ धाम आएंगे। यहां पर गंगा द्वारा से प्रवेश दिया जाएगा। मंदिर में सुलभ दर्शन पूजन की व्यवस्था होगी। यहीं पर उनके लिए भोजन की भी व्यवस्था की जाएगी। मंदिर प्रशासन सभी जनजातीय समाज के लोगों को अतिथि के तौर पर सम्मान देगा। जिससे जब वे यहां से जाएं तो बाकी लोगों को भी प्रेरित करे। मंदिर न्यास और वनवासी समूहों से जुड़ाव भी महसूस करे। इसकी पूरी रूपरेखा तैयार कर ली गई है। जनजातीय सुरक्षा मंच के आनंद ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक राजधानी काशी में द्वादश ज्योर्तिर्लिंग में एक तीनों लोकों के स्वामी आदि विश्वेश्वर देवाधिदेव महादेव काशी विश्वनाथ व काशी विश्वनाथ न्यास सम्पूर्ण जगत में सनातन धर्म, संस्कृति, परम्परा के संरक्षण व संवर्धन का प्रतीक है। जब–जब देश में धर्म का क्षरण हुआ है तथा विधर्मी शक्तियों का उत्थान हुआ है। सम्पूर्ण देश को काशी से मार्गदर्शन प्राप्त हुआ और विपरीत परिस्थितियों में भी लम्बे संघर्ष के बाद अपनी धर्म, संस्कृति, परम्परा के आधार पर जीवन व्यतीत करने वाले समाज को संरक्षण प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि हम बाबा विश्वनाथ के धाम में हम यह चर्चा करेंगे कि जो जनजाति समाज है। वह सनातन धर्म का एक अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि लोगों ने अपने रीति–रिवाजों और परंपरा को बदले लेकिन सनातन काल से आदिवासी इस रीति रिवाज और परंपरा का पालन करते आ रहे हैं। हमें आदिवासियों के संस्कृति पर खतरा उत्पन्न हुआ है। इसलिए हम लोग बाबा विश्वनाथ से प्रार्थना करेंगे और इस सांस्कृतिक राजधानी में मंथन भी किया जाएगा।

बर्थडे पर बीच सड़क दौड़ाकर पत्नी का गला रेता,नाराज पत्नी को मनाने गया था

वाराणसी। वाराणसी में पति ने बीच सड़क पत्नी का गला रेत दिया। हमले के बाद पत्नी चिल्लाई तो भीड़ ने आरोपी पति को पकड़ लिया। उसकी जमकर पिटाई की। बाइक तोड़ दी। भीड़ से बचने के लिए पति ने जिस चाकू से पत्नी का गला रेता था, उसी से खुद का गला भी रेत लिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने पति–पत्नी को कबीरचौरा अस्पताल में एडमिट कराया है। वहां से पत्नी को बीएचयू के लिए रेफर कर दिया गया। पति ने अपनी बर्थडे के दिन वारदात को अंजाम दिया है। पति का नाम कुंदन विश्वकर्मा जबकि पत्नी का नाम नेहा है। पूरी घटना गुरुवार रात शिवपुर की है। नेहा और कुंदन में दो महीने पहले विवाद हुआ था। इसके बाद पति से अलग होकर नेहा वाराणसी में रहने लगी थी। वह यहां सरस्वती वस्त्रालय में काम करती थी। जबकि कुंदन का घर बिहार बॉर्डर से सटा हुआ मुगलसराय था। वह भी वाराणसी में एक मेडिकल स्टोर में नौकरी करता था। वहां से रोजाना अप–डाउन करता था। गुरुवार को कुंदन का बर्थडे था। वह पत्नी को मनाने के लिए वाराणसी पहुंचा। सरस्वती वस्त्रालय के बाहर खड़ा होकर पत्नी का वेट करने लगा। रात करीब 10 बजे पत्नी नेहा बाहर निकली तो कुंदन ने कुछ दूरी पर उसे रोक लिया। पुलिस और प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, अपने जन्मदिन की बात कहकर कुंदन, नेहा से घर वापस चलने की जिद करने लगा। करीब 10 मिनट तक पति–पत्नी के बीच बातचीत होती रही। लेकिन, नेहा पति के साथ जाने को तैयार नहीं थी। इस दौरान दोनों के बीच कहासुनी होने लगी। कुंदन ने नेहा का हाथ पकड़कर जबरदस्ती करने की कोशिश की तो नेहा ने कुंदन को थप्पड़ मार दिया। सरेराह पत्नी के हाथ थप्पड़ खाकर कुंदन भड़क गया। उसने नेहा की पिटाई शुरू कर दी। पत्नी के बाल पकड़कर घसीटा। जमीन पर पटक दिया। इस दौरान नेहा चिल्लाकर भागने लगी तो कुंदन ने दौड़कर उसका गला रेत दिया। महिला खून से लथपथ होकर सड़क पर गिर गई। वह पहले से ही जेब में चाकू रखकर लाया था। पुलिस के मुताबिक, मिर्जापुर के जमालपुर की रहने वाली नेहा विश्कर्मा की शादी 15 जुलाई 2015 को मुगलसराय निवासी कुंदन विश्वकर्मा से हुई थी। नेहा और कुंदन के दो बच्चे हैं। बड़ा बेटा अंश (6) और छोटा नवीन (4) है। शादी के कई साल तक सब ठीक चलता रहा। लेकिन पिछले एक साल से दोनों में मनमुटाव हो गया। कुंदन का नेहा का सोशल मीडिया पर एक्टिव रहना अच्छा नहीं लगता था। यह भी कहा जा रहा है कि नेहा घूमने–फिरने के लिए रुपयों की डिमांड करती थी। दो महीने पहले दोनों के बीच विवाद काफी बढ़ गया। इसके बाद नेहा नाराज होकर वाराणसी चली आई थी। फिर फोन बंद करके किराए पर मकान लेकर रहने लगी। कुंदन दिन में मेडिकल स्टोर में नौकरी करता और शाम को बाजार में उसकी तलाश करता था। कुछ दिन पहले नेहा ने कुंदन को फोन किया और 10 हजार रुपए मांगे। बातों ही बातों में शिवपुर की एक दुकान में नौकरी करने की जानकारी दी। वाराणसी में नेहा सरस्वती वस्त्रालय में काम करने लगी। दो महीने पहले किसी के कहने पर दुकान मालिक ने उसे नौकरी पर रखा था। दुकान मालिक को नेहा ने अनमैरिड बताया था। दुकान पर दिए पते में उसने अपने मायके के पते का आधार कार्ड दिया था। मुगलसराय से आकर उसने नेपाली बाग कॉलोनी में एक कमरा किराए पर लिया था। उसी में रहती थी। खुद को घायल करने के बाद पति कुंदन ने पुलिस को बताया कि वह बनरवाल मेडिकल स्टोर पर नौकरी करता है। सुधीर सिंह उर्फ अमन से नेहा की सोशल मीडिया के जरिए दोस्ती हुई और बहाने से बनारस आकर मिलती रही है। 7 अगस्त 2023 को झगड़े के बाद पत्नी नेहा अगले दिन घर से लापता हो गई। पिछले दो महीने से अपने प्रेमी के साथ कमरा किराए पर लेकर रहती है। सीओ कैंट डा. अतुल अंजान त्रिपाठी ने बताया कि 26 अक्टूबर को कुंदन का जन्मदिन था। वह इस मौके पर अपनी पत्नी को मनाने पहुंचा था। जोर जबरदस्ती की तो नेहा भड़क गई। इसके बाद दोनों में विवाद हो गया और कुंदन ने जेब से चाकू निकालकर हमला कर दिया। नेहा ने पिछले दिनों अर्दली बाजार चौकी के एक सिपाही से कुंदन के पीछा करने की शिकायत की थी।

सम्पादकीय

इजराइल-हमास लड़ाई पर भी तुष्टिकरण की राजनीति से बाज नहीं आ रहे कुछ राजनीतिक दल

इजरायल–फिलिस्तीन युद्ध में हमास के क्रूर आतंकी घटना की आलोचना करने की बजाए इजरायल की निंदा करने से साबित हो गया है कि कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दल अल्पसंख्यकों के वोट के लिए किस तरह तुष्टिकरण की नीति पर चलते हैं। यही वजह है कि भाजपा विपक्षी दलों पर आक्रामक रुख अख्तियार करती रही है। दरअसल विपक्षी दल आतंकी हमास की निंदा करके देश के अल्पसंख्यक वोट बैंक को नाराज नहीं करना चाहते। इस नए युद्ध की शुरुआत आतंकी संगठन हमास ने की। इसमें सैंकड़ों निर्दोष लोग मारे गए और बड़ी संख्या में लोगों का अपहरण कर लिया। इसके विपरीत इस मुद्दे पर कांग्रेस ने तुष्टिकरण की नीति अपना कर भाजपा को फिर से एक नया मुद्दा थमा दिया।

केंद्र की भाजपा सरकार ने पहले दिन से ही रुख साफ कर दिया कि किसी भी तरह की आतंकी कार्रवाई का भारत समर्थन नहीं करेगा। केन्द्र सरकार की यह नीति जम्मू–कश्मीर में पाकिस्तान द्वारा की जाने वाली आतंकी कार्रवाईयों से प्रभावित है। आश्चर्य की बात यह है कि इस मामले में नये बने विपक्षी गठबंधन इंडिया में कांग्रेस को छोड़ कर ज्यादातर दलों ने कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया जाहिर नहीं की। ऐसे मुद्दों पर विपक्षी दल ज्यादातर बचाव या विरोध की नीति ही अपनाते रहे हैं। दरअसल कांग्रेस सहित गैर भाजपा दलों का निशाना भी अल्पसंख्यक वोट बैंक होता है। ऐसे में कोई भी दल सार्वजनिक तौर पर प्रतिक्रिया जाहिर करने से बचता है। इसमें हमास ने पहले हमला कर युद्ध को आमंत्रित किया, इसलिए विपक्षी दल स्पष्ट प्रतिक्रिया देने से कतरा रहे हैं। इसके विपरीत जम्मू–कश्मीर में धारा 370, तीन तलाक और अयोध्या में राम मंदिर जैसे मुद्दों पर कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों ने भाजपा के खिलाफ तीखी प्रतिक्रिया जाहिर करने में देर नहीं लगाई। धारा 370 हटाने के बाद जम्मू–कश्मीर की शांति और तरक्की की हालत सर्वविदित हैं। पत्थरबाजी की घटनाएं लगभग शून्य हो गई हैं। इस साल पर्यटकों की रिकार्ड आमद दर्ज की गई है। जम्मू–कश्मीर से एक अग्निवीर का दस्ता तक सेना में शामिल हुआ है। जम्मू–कश्मीर में जी20 की बैठक हो चुकी है। इसी से स्पष्ट होता है कि गैरभाजपा दलों को किस तरह से अल्पसंख्यक वोट बैंक के तौर पर नजर आते हैं।

इजरायल–फिलिस्तीन युद्ध पर कांग्रेस वर्किंग कमेटी ने इजरायल और हमास के बीच चल रहे युद्ध को लेकर फिलिस्तीन के समर्थन में एक प्रस्ताव पारित किया। इसमें निराशा और पीड़ा व्यक्त की और फिलिस्तीनी लोगों के भूमि (और) स्वशासन, गरिमा और सम्मान के साथ जीने के अधिकार के प्रति अपने समर्थन को तवज्जों दी। हमास ने जिस तरह बच्चों और महिलाओं के कत्ल करके इंसानियत को शर्मसार किया, उस पर कांग्रेस ने एक शब्द भी नहीं कहा और ना ही अपहृत लोगों को रिहा किए जाने की अपील की। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि उनकी पार्टी का हमेशा मानना रहा है कि इजरायलियों की राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं को सुनिश्चित करते हुए फिलिस्तीन के लोगों की वैध आकांक्षाओं को बातचीत के माध्यम से पूरा किया जाना चाहिए। कांग्रेस के इस बयान पर भाजपा ने जोरदार हमला बोला।

भाजपा महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने एक पोस्ट में कांग्रेस के बयान को अत्यंत निंदनीय बताया। विजयवर्गीय ने कहा कि कांग्रेस ने एक बार फिर राष्ट्रनीति और राष्ट्रहित के खिलाफ फैसला लेते हुए प्रस्ताव पारित किया है। एक धर्म विशेष के लोगों को खुश करने के लिए कांग्रेस किस हद तक गिर सकती है? उन्होंने कहा, अब कांग्रेस आतंकवाद से भी समझौता करने को तैयार है। हम और हमारी पार्टी भी विपक्ष में रही हैं लेकिन कभी भी राष्ट्रहित के खिलाफ कोई कदम नहीं उठाया। कांग्रेस का हाथ आतंकवाद के साथ है। अपने प्रस्ताव में कांग्रेस ने कहा कि सीडब्ल्यूसी मध्य पूर्व में छिड़े युद्ध पर अपनी निराशा और पीड़ा व्यक्त करती है, जहां पिछले दो दिनों में एक हजार से अधिक लोग मारे गए हैं।

भाजपा ने हमलावर रुख अख्तियार करते हुए कांग्रेस के शासन के दौरान हुई आतंकी वारदातों को गिना दिया। इसका एक वीडियो जारी करते हुए भाजपा ने कहा कि यूपीए के समय जून 2004 से मई 2014 तक भारत में 10, 262 आतंकी हमले हुए। जिसमें 7012 नागरिकों की जान गई। 2014 में देश में नरेंद्र मोदी सरकार सत्ता में आई। जिसके बाद 2016 में पीओके में सर्जिकल स्ट्राइक हुई। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने इजराइल और हमास से जुड़े युद्ध के बीच कांग्रेस के प्रस्ताव की तुलना पाकिस्तान और तालिबान से की और आरोप लगाया कि तुष्टीकरण की राजनीति के लिए देश के हित का बलिदान करना उसके डीएनए में है। शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के प्रस्ताव में पाकिस्तान और तालिबान के बयानों से काफी समानताएं हैं। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस, पाकिस्तान और तालिबान हमास की निंदा नहीं करते। इजराइल पर आतंकवादी हमले की निंदा नहीं करते और बंधक महिलाओं और बच्चों के संबंध में चुप हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि तुष्टीकरण की राजनीति के लिए देशहित की बलि चढ़ाना कांग्रेस के डीएनए में है। कांग्रेस बेशक फिलीस्तीन की दुहाई की आड़ में हमास की आतंकी कार्रवाई की निंदा से बेशक बच रही हो किन्तु खाड़ी के कुछ देशों ने इसकी भर्त्सना की है।

संयुक्त अरब अमीरात ने हमास के हमले को गंभीर और तनाव बढ़ाने वाला बताया था। यूएई के विदेश मंत्रालय के बयान में कहा था कि वो इसराइली नागरिकों को उनके घरों से अगवा कर के बंदी बनाए जाने की ख़बरों से स्तब्ध है। बहरीन ने भी हमास के हमलों की आलोचना की है। बहरीन ने कहा था कि हमले ने तनाव को ख़तरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है, जिससे आम लोगों की जान जोखिम में पड़ गई है। इन दोनों देशों के ये बयान उनके पहले के रुख़ से अलग है, जब पूरा अरब वर्ल्ड इसराइल के खिलाफ एक सुर में बोलता था। ईरान खुलकर हमास का समर्थन कर रहा है और इसराइल पर सीधे उंगली उठा रहा है। ईरान के हितों का अपना समीकरण है और उसी के हिसाब से वह प्रतिक्रिया दे रहा है। क़तर ने इसराइल को इस तनाव का अकेला जिम्मेदार बताया है। मलेशिया, पाकिस्तान और अफग़ानिस्तान ने भी फ़िलस्तीनियों के प्रति समर्थन दिखाया है। खाड़ी देशों के इस तरह अलग–अलग बयानों से अंदाजा लगाया जा सकता है कि विश्व में देशों के रिश्ते किस तरह बदल रहे हैं। इसके विपरीत कांग्रेस सहित भारत के विपक्षी दल अभी तक ऐसे मसलों को सिर्फ वोट बैंक से नजरिए से देखते रहे हैं। भारत के संबंध खाड़ी देशों से लगातार बेहतर हो रहे हैं।

गौरतलब है कि हमास के हमले से पहले सऊदी अरब और दूसरे देश इसराइल से संबंध सुधारने के लिए समझौता करने वाले थे। इस हमले के बाद हालात बदल गए हैं। इस हमले की वजह भी यही मानी जा रही है कि किसी तरह इन देशों में कोई समझौता नहीं होने पाए। कांग्रेस और विपक्षी दल इंडिया की तीन बैठकों में अभी तक यह भी स्पष्ट नहीं हो सका कि घरेलू और विदेशी मसलों पर नीति क्या रहेगी। इसी तरह भ्रष्टाचार और दूसरों मुद्दों पर भी विपक्षी गठबंधन की एकराय नहीं हो सकी। यह विपक्षी दलों की ढुलमुल नीति का ही परिणाम है कि भाजपा इन मुद्दों पर विपक्षी गठबंधन को आड़े हाथों लेने में पीछे नहीं रही। देश और विदेश हितों से जुड़े भारत के मुद्दों पर राय कायम करने से पहले विपक्षी गठबंधन के सामने फिलहाल सबसे बड़ी चुनौती चुनाव में सीट शेयरिंग की है। इस अधरझूल एजेंडे के कारण ही विपक्षी एकता सिरे नहीं चढ़ सकी है। विपक्षी गठबंधन में पारदर्शिता और स्पष्टता नहीं रही तो लोकसभा चुनाव में भाजपा की चुनौती का एकजुट होकर सामना करना आसान नहीं होगा।

शरीफ की शराफत

चौतरफा बदहाली का त्रास झेल रहे पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की वापसी के गहरे निहितार्थ हैं। जेल की सजा काट रहे नवाज इलाज के लिये ब्रिटेन गये थे और चार साल आत्मनिर्वासन में रहने के बाद पाकिस्तान लौटे हैं। जाहिर है देश में इमरान खान के प्रभाव को कम करने के लिये उनकी वापसी सेना को मुफीद लगती है। जिनका उपयोग संभवतरू जनवरी में पाकिस्तान में होने वाले आम चुनाव में अपनी पार्टी का जनाधार बढ़ाने यानी इमरान खान का प्रभाव कम करने के लिये किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि नवाज शरीफ 14 साल की सजा काटते हुए चिकित्सा उपचार हेतु 2019 में लंदन चले गये थे। अब पाकिस्तान मुस्लिम लीग सुप्रीमो 73 वर्षीय अनुभवी राजनेता नवाज शरीफ को उम्मीद है कि वे किसी तरह प्रधानमंत्री के रूप में चौथी पारी खेल सकें। उनके आत्मविश्वास की वजह है कि पाकिस्तान की राजनीति का पर्दे के पीछे संचालन करने वाली सेना से फिलहाल उनके रिश्ते सौहार्दपूर्ण हैं। निस्संदेह, सेना के जनरलों से उनके रिश्ते उतार–चढ़ाव भरे रहे हैं। बहुत ज्यादा समय नहीं हुआ जब पिछले चुनाव में उन्होंने सेना पर अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी इमरान खान का समर्थन करने का आरोप लगाया था। लेकिन मौजूदा स्थिति यह है कि सेना से टकराव के चलते इमरान खान इन दिनों जेल में हैं। लेकिन पाकिस्तान में उनकी लोकप्रियता काफी बढ़ी है। इमरान की लोकप्रियता कम करने के लिये ही लंदन से नवाज शरीफ को पाकिस्तान वापस बुलाया गया है। उन्हें अब कोर्ट से भी राहत मिल गई है। हालांकि, ताजा घटनाक्रम से जुड़े तमाम किंतु–परंतु हैं, लेकिन सेना व अदालत की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। वहीं एक बात तो तय है कि इमरान सरकार गिरने के बाद 2022 से इस साल की शुरुआत तक प्रधानमंत्री के रूप में काम करने वाले शहबाज शरीफ को अनुभवी राजनेता नवाज शरीफ की वापसी के बाद आम चुनाव में कुछ बढ़त जरूर मिलेगी। हालांकि, पाकिस्तान में खासे लोकप्रिय इमरान खान के जनाधार में सेंध लगाना शरीफ बंधुओं के लिये एक चुनौतीपूर्ण कार्य होगा। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि आज पाकिस्तान को सुरक्षा, आर्थिक व राजनीतिक संकटों का सामना करना पड़ रहा है। जिसके मूल में पर्दे के पीछे से खेली जाने वाली पाकिस्तान सेना के जनरलों की बड़ी भूमिका भी रही है। जनरल अय्यूब खान, जनरल जिया उल हक व जनरल मुशर्रफ जैसे सेना के महत्वाकांक्षी मुखिया लोकतंत्र को बेदखल कर बाकायदा सत्ता सुख भोगते रहे। लेकिन फिलहाल पाक तमाम तरह के संकटों से जूझ रहा है। बढ़ते कर्ज के दबाव व रिकॉर्ड तोड़ महंगाई से जूझते पाकिस्तान को राहत देने के लिये नवाज शरीफ ने भारत को लेकर जो बयान दिया है उसके गहरे निहितार्थ हैं। उन्हें इस बात का अहसास है कि भारत एक पड़ोसी के रूप में मददगार हो सकता है। तभी भारत को लेकर परोक्ष रूप से उन्होंने कहा कि कोई भी देश अपने पड़ोसियों से लड़ते हुए प्रगति नहीं कर सकता। निस्संदेह, विगत के अनुभवों के मद्देनजर भारत एक सतर्क प्रतिक्रिया ही देगा। लेकिन यह बात तय है कि भारत की सीमाओं पर आतंकवादियों की सक्रियता और नशे की जहर की खेप भेजने की साजिश बंद किये बिना दोनों देशों के संबंध सामान्य होना मुश्किल ही है। इसकी वजह यह है कि जब भी पाकिस्तान की लोकतांत्रिक सरकारों ने भारत के साथ संबंध बेहतर बनाने की कोशिश की, सेना को यह रास नहीं आया। हालांकि, इसमें दो राय नहीं कि भारत में कुछ राजनीतिक दलों को पाकिस्तान विरोध जनाधार बढ़ाने का जरिया नजर आता है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि भौगोलिक रूप से भारत व पाकिस्तान पड़ोसी हैं, जिसे बदला नहीं जा सकता। तो बेहतर होगा कि दोनों देशों में अच्छे संबंध बनाने की कोशिश हो। पाकिस्तान के कद्दावर नेता नवाज शरीफ यदि इस दिशा में पहल करने की बात करते हैं तो इसका सकारात्मक प्रभाव दोनों देशों के संबंधों पर पड़ सकता है। लेकिन सेना का दखल कई तरह के सवालों को जन्म भी देता है।

चीन, रूस और ईरान का अमेरिका के विरुद्ध षड्यंत्र, परिणाम हमास-इजरायल युद्ध

अमेरिकी विदेश मंत्री एंथोनी ब्लिंकन ने संयुक्त राष्ट्र संघ की सभा में स्पष्ट रूप से कहा है कि इस सभा में सबको विदित है कि तो कुख्यात आतंकवादी संगठन हमास ,हिजबुल्ला और फलस्तीन इस्लामिक जिहाद को कई वर्षों से ईरान प्रत्यक्ष तथा परोक्ष रूप से आर्थिक सामरिक सहायता कर इजराइल का विरोध करवाता आ रहा है. ब्लिंकन ने कहा हमास के इसराइल पर हमले में अमेरिका पूरी तरह से इसराइल के साथ खड़ा है और वह किसी अन्य देश के हमले से इजरायल की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है हमास का आक्रमण इजरायल की प्रभु सत्ता को चुनौती देने वाला है इसलिए इसराइल को हमास पर आक्रमण करने का पूरा–पूरा वैधानिक हक है इजरायल को अपनी जनता तथा अपनी भूमि की रक्षा करने का पूरा अधिकार है इसराइल अपना कर्तव्य निभा रहा हैस लिंकन ने स्पष्ट कहा है यदि ईरान, जॉर्डन, सीरिया या लेबनान अमेरिकी सैनिकों पर हमला करेगा तो उसका तुरंत माकूल जवाब दिया जाएगास इधर ईरान के प्रमुख आयतुल्लाह खुमैनी ने कहा कि गाजा पट्टी में निर्दोष नागरिकों तथा बच्चों महिलाओं की हत्या का सारा दोष अमेरिका प्रशासन को जाता है जिसने इसराइल को गाजा पट्टी पर निर्दोष नागरिकों पर आक्रमण करने की खुली छूट देकर रखी है और यदि अमेरिका इस युद्ध में शामिल होता है तो खाड़ी के अनेक राष्ट्र शामिल होंगे जिसकी सारी जिम्मेदारी अमेरिका पर होगी। यह बात पूरी दुनिया को मालूम है कि हमास के पीछे ईरान और मिडिल ईस्ट के कई देश शामिल हैं और ईरान के पीछे ड्रैगन तथा रूस का खुला समर्थन है। चीन और रूस ने फिलिस्तीन तथा हमास को अपने समर्थन का ऐलान किया है. रूस चाहता है कि अमेरिका का ध्यान रूस यूक्रेन युद्ध से हट जाए और वह यूक्रेन को पूरी तरह नष्ट कर अपने देश की सीमा में शामिल कर ले। इसी तरह की चाहत चीन ने भी पाल कर रखी है वह ताइवान के मामले में अमेरिकी हस्तक्षेप से परेशान है और वह चाहता है कि अमेरिका का ध्यान इसराइल हमास युद्ध में लगा रहे और वह इसी दौरान आक्रमण करके ताइवान को अपनी प्रभु सत्ता में शामिल कर लेस चीन और रूस में खुले तौर पर ईरान को भड़काकर हमास हिज्बुल्लाह और फिलिस्तीन इस्लामी जिहाद को सहायता करने तथा आक्रमण करने की इजाजत दे दी थी तब जाकर ईरान ने हमास को सीधे–सीधे इसराइल पर आक्रमण करने का निर्देश भी दिया हैस 7 अक्टूबर 23 को हमास के आक्रमण से लगभग 1200 से 1500 इसराइली नागरिक सैन्य अधिकारी बच्चे तथा स्त्रियों की सरेआम हत्या कर दी गई। जवाब में इजरायल ने फिलिस्तीन के गाजा पट्टी पर हमला कर हमास के फ्रंटलाइन आतंकवादियों को खत्म कर दिया है कॉलेटरल डैमेज के रूप में वहां के नागरिक तथा बच्चों एवं स्त्रियां भी मौत की नींद सो चुके हैंस हमास इसराइल लड़ाई में नया मोड़ तब आया जब गाजा के एक अस्पताल में बम गिरकर 500 लोगों की हत्या कर दी गई और इसका सारा ठीकरा इसराइल के सर फोड़ दिया गया है इसराइल ने इस बात से साफ इनकार किया है और कहा है कि इसके पीछे खुद हमास एवं फिलिस्तीन इस्लामी जिहाद है जिसने गाजा के इस अस्पताल में हमला कर इसराइल के खिलाफ एक नया षड्यंत्र रचा है। इस हमले से क्रुद्ध होकर खाड़ी देशों के सभी मुस्लिम राष्ट्र जिनकी संख्या लगभग 57 है सब एक हो गए हैं और इजरायल के साथ लगभग 87 देश समर्थन में जुड़ गए हैं जिसमें प्रमुख तौर पर अमेरिका ,ब्रिटेन, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया,कनाडा एवं अन्य देश जिसमें भारत भी शामिल है का इसराइल को समर्थन है। अब मुख्य मुद्दा यह है कि हमास द्वारा 200 नागरिकों को बंधक बना लिया है जिनको वह मुक्त करने के मूड में नहीं दिखाई दे रहा है इजराइल का लगातार आक्रमण कर यह दबाव है कि पहले वह बंधकों को इसराइल के हवाले करें फिर इसराइल अपना आक्रमण रोकेगा।अब इजरायल की थल सेना भी आक्रमण करने पूरी तरह सक्षम एवं तैयार है ऐसी स्थिति में पूरी गाजा पट्टी संपूर्ण तबाह हो जाएगी और लगभग 20 लाख फिलिस्तीन निवासी नागरिक शरणार्थी बन चुके और बेघर भी हो चुके हैं। ईरान ने हमास को इसराइल पर आक्रमण के आदेश देने के समय तक यह नहीं सोचा था की स्थिति यहां तक बिगड़ जाएगी। चीन रूस जरूर ईरान के साथ हैं पर यह जरूरी नहीं है कि इसराइल और हमास की युद्ध से पैदा होने वाले विश्व युद्ध में वे ईरान और खाड़ी देशों का कितना साथ दे पाएंगे। भारत को भी हमास इजरायल युद्ध से चौकन्ना रहने की आवश्यकता होगी क्योंकि हमारा पड़ोसी पाकिस्तान भी हमास जैसे आतंकवादियों को बना देने का कई वर्षों से मुजरिम है और वह कभी भी आतंकवादियों के माध्यम से भारत में हमला कर सकता है तथा भारत को अपनी सीमा पर चौकसी बढ़ा देना चाहिए। इसके अलावा भारत ने अपनी नीति स्पष्ट करके रखी है, उसने हमास के आतंकवादियों का विरोध किया है पर फिलिस्तीन देश का वह कई वर्षों से समर्थन करता आया है और 38 टन मदद की रसद तथा दवाइयां उसने गाजा पट्टी पर भिजवाई भी है। भारत का दृष्टिकोण मानवतावादी है। उसने हमास का विरोध इसराइल पर आक्रमण करने के लिए किया है इसीलिए उसने इसराइल का समर्थन किया पर अब इजरायल के गाजा पट्टी पर निर्दोष लोगों के मारे जाने का विरोध भी किया है। अरब खाड़ी के कई देश भारत से यह उम्मीद लगाए बैठे हैं कि वह जॉर्डन,लेबनान, मिश्र, ईरान ,इराक और इजरायल, अमेरिका ,ब्रिटेन के नेताओं से चर्चा कर युद्ध विराम पर प्रभावी कदम उठाये। सबकी नजर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर है क्योंकि नरेंद्र मोदी के संबद्ध सभी देश के राष्ट्र प्रमुखों से मधुर है एवं भारत की नीति ही शांति संदेश देने की रही है। ऐसे में भारत एक प्रमुख शांति दूत के रूप में वैश्विक भूमिका निभा सकता है जो विश्व युद्ध रोकने में काफी कारगर होगी।

मणिपुर त्रासदी से व्यथित मोहन भागवत

उत्तर पूर्वी राज्य मणिपुर में हुए मैतेई–कुकी संघर्ष से उत्पन्न त्रासदी से लोग बहुत व्यथित हुए थे। इस साल के मई महीने से जारी साम्प्रदायिक दंगों में सैकड़ों मारे गये हैं, हजारों बेघर हुए हैं, अनेक पूजा स्थलों को नुकसान पहुंचा और करोड़ों रुपयों की सम्पत्ति नष्ट हुई है। इसने पूरे देश को ही नहीं वरन दुनिया भर को हिलाकर रख दिया था। अनेक देशों में भी इन दंगों की गूंज सुनाई दी थी। विश्व भर के कई अखबारों ने इस घटना को विस्तार से छापा था। इसके बावजूद इस घटना को लेकर भारतीय जनता पार्टी खामोश रही, उसके नेता खामोश रहे। केन्द्र सरकार मौन थी और मणिपुर सरकार ने भी इस घटनाक्रम को दबाये रखा था। 3 मई का अगर वह वीडियो वायरल न होता तो शायद यह पूरा का पूरा घटनाक्रम दफ्न कर दिया जाता, जिसमें दो कुकी महिलाओं को नग्न कर उनकी परेड निकाली गई थी। उसके पहले उनका उत्पीड़न हुआ था। मीडिया से दूर भागने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी संसद के विशेष सत्र के पहले संक्षिप्त बयान संसद भवन के बाहर देना पड़ा था, क्योंकि इसका संज्ञान स्वयं सुप्रीम कोर्ट ने लिया था। मोदी ने दुख भरे स्वरों में कहा कि इस घटना से उन्हें बहुत पीड़ा पहुंची है। और भी जिन लोगों को इस घटना से पीड़ा पहुंची, उनमें अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का नाम भी शामिल हो गया है। विजयादशमी को अपना परम्परागत भाषण देते हुए भागवत ने श्इस घटना के पीछे विदेशी ताकतों का हाथ बताया। साथ ही उन्होंने केन्द्र सरकार की असफलता को एक तरह से कबूल करते हुए कहा कि श्गृह मंत्री अमित शाह को वहां जाना चाहिये, मंत्रियों को जाकर बैठना चाहिये। मणिपुर की घटना को उन्होंने भारत की अखंडता और एकता से भी जोड़ दिया। सम्भव है कि इस बयान के पीछे लोगों को भागवत की सदाशयता, दंगा पीड़ितों के प्रति सहानुभूति या प्रेम भाव दिखे परन्तु उनके इस बयान की तह में जाने की आवश्यकता है तभी इसकी विसंगतियां और संघ प्रमुख की मंशा साफ होगी। पहली बात तो यह है कि स्वयं भागवत को इस बात का जवाब देना चाहिये कि उन्हें इतने दिनों के बाद इस घटना की याद क्यों आई और उन्हें यह क्योंकर महसूस हुआ कि शाह एवं अन्य मंत्रियों को वहां जाना चाहिये? क्या इस घटना की जानकारी संघ प्रमुख को अब जाकर हुई है? सच तो यह है कि यह निर्देश उन्हें आज से 2 माह पहले देना चाहिये था जब यह घटना जगजाहिर हुई थी। अगर उनके कहे के बाद भी सरकार का कोई नुमाईंदा वहां नहीं जाता तो स्वयं भागवत को वहां जाना चाहिये था और पीड़ितों से मिलना चाहिये था। आदिवासियों के प्रति प्रेम दिखलाने वाले और संघ के मुखिया होने के नाते उन्हें अपने कार्यकर्ताओं को भी निर्देश देना था कि वे वहां जाकर पीड़ितों की सेवा करें। भागवत के मौन रहने का कारण सम्भवतरू यही है क्योंकि वहां के संघर्ष में ज्यादातर कुकी ही पीड़ित हैं जो कि ईसाई समुदाय के हैं और उत्पीड़क मैतेई हिन्दू। यह स्थिति संघ के सामाजिक एवं भाजपा के राजनैतिक एजेंडे के एकदम मुफीद है जिसके माध्यम से उनका साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण का लक्ष्य सधता है। दूसरे, इस पर भी गौर करना चाहिये कि यह बयान वैसे तो संघ के सालाना जलसे में दिया गया है पर उसके पीछे एक कारण यह भी साफ दिखता है कि अगले माह होने जा रहे 5 राज्यों (राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम) के विधानसभा चुनावों में भाजपा की हालत बहुत नाजुक है। भाजपा का नफरती एवं विभाजनकारी एजेंडा लोगों के सामने बहुत स्पष्ट हो गया है। हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक के चुनावों में भाजपा को मिली पराजयों के बाद अगर इन राज्यों में उसकी स्थिति ठीक रहती तो शायद संघ व भाजपा उस एजेंडे को आगे बढ़ाते परन्तु सम्भवतया संघ को अब एहसास हो गया होगा कि उस पिच पर लम्बी पारी खेलना बहुत मुश्किल हैय जीतना तो और भी दूर की बात है। विदेशी शक्तियों का उल्लेख कर भागवत अपनी सरकार को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। अगर ऐसा है तो इसकी जिम्मेदार भी मोदी सरकार की है। फिर, केन्द्र के साथ मणिपुर में भी तो उन्हीं की यानी कि भाजपा की सरकार है। जिस तरह से अब तक भाजपा के नेता डबल इंजिन की सरकारों को महिमा मंडित करते आये हैं, तो भागवत को स्वीकार करना चाहिये कि दोनों ही इंजिन नाकाम साबित हुए हैं और अब इन्हें बदलने की जरूरत है। याद हो कि सीमावर्ती राज्यों में होने वाली घुसपैठ पर यही आरएसएस और ये ही नेता विपक्षी सरकारों–दलों को पानी पी–पीकर कोसते थे। उनका आरोप होता था कि बाहरी तत्व गैर भाजपायी केन्द्र–राज्यों की सरकारों की सांठगांठ से भारत आकर गड़बड़ियां करते हैं। भागवत आज क्या कहेंगे? उम्मीद है कि संघ अब समस्या की गहनता से वाकिफ हो चुके होंगे।इस बयान का कारण संघ प्रमुख की यह चिंता भी हो सकती है कि इन पांच राज्यों के चुनावों के परिणामों का असर, जो 3 दिसम्बर को घोषित होंगे, 2024 के लोकसभा चुनावों पर पड़ना तय है। इन राज्यों के साथ आगामी लोकसभा चुनावों के तमाम सर्वे जिस तरह के परिणामों का अनुमान लगा रहे हैं, संघ प्रमुख का चिंतित होना लाजिमी है। कोई यह न समझे कि भागवत का बयान सदाशयता व समरसता के लिये या फिर वाकई देश की अखंडता–एकता को उत्पन्न कथित खतरे की चिंता में दिया गया है। इसके सामाजिक नहीं वरन राजनैतिक निहितार्थ हैं।

रावण की ओट में राजनीति का राग

रामलीला के मंचों से रावण दहन की ओट में सियासी दलों ने जमकर राजनीति का राग गाया और जनता ठगी सी खड़ी देखती रह गयी, क्योंकि रामलीलाओं में न असली राम लड़ रहे थे और न असली रावण जल रहे थे। सब कुछ नकली था। असली थे तो सिर्फ नेताओं के चेहरे और उनके भाषण। जिनमें राम का नाम ले–लेकर अपने विरोधियों की धज्जियां उड़ाई जा रहीं थीं। दिल्ली से पटना तक एक ही माहौल था। राम और रावण तो केवल निमित्त थे। दिल्ली में द्वारिका की रामलीला में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जनता को विजयादशमी की शुभकामनाओं के साथ ही, इंदिरा गाँधी के बीस सूत्रीय कार्यक्रम के जवाब में अपने दस सूत्रीय कार्यक्रम को परोसा। राम मंदिर और रामलला का जिक्र किया। आयोजकों ने भी पूरे मैदान में राम के बजाय मोदी जी के कटआउट लगाकर अपनी मोदी भक्ति का भरपूर मुजाहिरा किया। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में भी दिल्ली की तर्ज पर दशहरे पर जमकर राजनीति हुई। बाला साहेब की शिवसेना के दोनों गुटों ने एक–दूसरे के प्रति जमकर भड़ास निकाली। जनता रामलीला के बजाय शिवसेना की लीला देखकर दंग रह गयी। शिवसेना का एक धड़ा शिवाजी पार्क में था तो दूसरा धड़ा आजाद पार्क में। शिवाजी पार्क में उद्धव ठाकरे ने गुजरात के अहमदाबाद में पाकिस्तानी खिलाड़ियों के स्वागत पर भी सवाल उठाए। उद्धव ठाकरे ने कहा कि गुजरात में नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान के क्रिकेटरों का स्वागत फूलों की वर्षा करके किया गया। उनके सम्मान में गरबा का नृत्य किया गया। ठाकरे ने कहा कि इन दृश्यों को देखने के बाद, उन्हें एक पल के लिए लगा कि पाक खिलाड़ी भाजपा में शामिल हो गए हैं क्या? ठाकरे ने कहा कि मौजूदा सरकार जनरल डायर सरकार है जिसने निर्दोष प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने का आदेश दिया था। उद्धव ठाकरे ने एकनाथ शिंदे गुट के विधायकों की अपात्रता मामले का उल्लेख किया। इससे पहले शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर अजित पवार और हसन मुशरिफ का हवाला देकर बीजेपी पर निशाना साधा। आजाद मैदान में शिवसेना प्रमुख और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे पर पलटवार किया। शिंदे ने कहा कि मैदान–स्थल महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि विचारधारा और विचार महत्वपूर्ण हैं। शिंदे ने कहा कि उनकी रैली में बाला साहेब के विचार हैं। एकनाथ शिंदे ने कहा कि असली शिवसेना आजाद मैदान में है। उन्होंने कहा कि सत्ता के लिए उद्धव ठाकरे ने हिंदुत्व को धोखा दिया। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि आजाद मैदान में आजाद शिवसैनिक जुटे हैं। रावण के जरिये पटना में भी पॉलीटिक्स हुई। जेडीयू ने मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए अपने पांच प्रत्याशी उतारकर सपा की तरह ही आईएनडीआईए गठबंधन के साथ घात किया। जम्मू–कश्मीर और काँगड़ा में भी रावण जलाये गए लेकिन वहां सियासत नहीं हो पायी, हालाँकि कोशिश की गयी। दशहरे के दिन पूरे देश में रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतले जलाए गए वहीं बिसरख में राम के बजाय शिव जी की पूजा की गयी। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा स्थित सेक्टर–1 के पास मौजूद गांव बिसरख को रावण का गांव कहा जाता है। यहां रावण दहन नहीं किया जाता है, उल्टा दशहरे पर रावण को बेटा मानकर याद किया जाता है। यहां की महिलाएं इस दिन रावण की जन्मस्थली पर बने अष्टकोणीय शिवलिंग की पूजा करने आती हैं। मान्यता है कि यह वही शिवलिंग है जिसकी आराधना कर रावण ने भगवान शिव से वरदान प्राप्त किया था। दशहरे पर भले ही देश भर में राम–रावण युद्ध हो,रावण के पुतले जलाये जाएँ लेकिन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सुप्रीमो डॉ मोहन भागवत अपनी भागवत बांचते है। इस बार भी वे चुप नहीं रहे, बोले। उन्होंने मणिपुर के मुद्दे पर वो सब कह दिया जो माननीय प्रधानमंत्री कहने में हिचकते रहे। संघ प्रमुख भागवत ने कहा कि मणिपुर की वर्तमान स्थिति को देखते हैं तो यह बात ध्यान में आती है कि लगभग एक दशक से शांत मणिपुर में अचानक यह आपसी फूट की आग कैसे लग गई? क्या हिंसा करने वाले लोगों में सीमापार के अतिवादी भी थे? अपने अस्तित्व के, भविष्य के प्रति आशंकित मणिपुरी मैतेयी समाज और कुकी समाज के इस आपसी संघर्ष को सांप्रदायिक रूप देने का प्रयास क्यों और किसके द्वारा हुआ? वर्षों से वहां पर सबकी समदृष्टि से सेवा करने में लगे संघ जैसे संगठन को बिना कारण इसमें घसीटने का प्रयास करने में किसका निहित स्वार्थ है? इस सीमा क्षेत्र में नागाभूमि व मिजोरम के बीच स्थित मणिपुर में ऐसी अशांति व अस्थिरता का लाभ प्राप्त करने में किन विदेशी सत्ताओं को रुचि हो सकती है?रावण तो श्रीमती सोनिया गांधी ने भी लाल किले के मैदान में जलाया लेकिन उन्होंने वहां कोई राजनीतिक भाषण नहीं दिया। उनकी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी वहां थे। देश में पहली बार ऐसा लगा कि किसी को रावण से कोई मतलब नहीं है। सभी को अपनी–अपनी राजनीति और छवि की फिक्र है। फिर चाहे वो भाजपा हो,संघ हो, कांग्रेस या शिवसेना।लोकतंत्र में परम्पराओं और धार्मिक आस्थाओं के मंचों का ऐसा दुरूपयोग आखिर कौन रोकेगा? इसके लिए तो कोई कानून फिलहाल है नही। धर्म और राजनीति का कॉम्बो शेक बनाया और बेचा जा रहा है। अब मर्जी है आपकी कि आप इसे पियें या न पियें।

लोकसभा में अकेले लड़ने के विल्कप पर मंथन कर रही सपा

लखनऊ। मध्य प्रदेश चुनाव में सीटों को लेकर कांग्रेस और सपा के बीच चल रहा द्वंद और गहराता जा रहा है। अब ऐसा अंदेशा है कि सपा अकेले दम पर

चुनावी मैदान में उतर सकती है। सपा द्वारा 31 अक्टूबर को बुलाई गई राज्य कार्यकारिणी की बैठक को इस बात पर बल मिलता दिखाई दे रहा है। राजनीतिक जानकर कहते हैं कि इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस का दावा है कि वह सभी 80 सीटों पर तैयारी कर रही है, वहीं समाजवादी पार्टी ने अपनी लोकजागरण यात्रा व प्रशिक्षण शिविर भी सभी लोकसभा क्षेत्रों में करने का निर्णय लिया है। सपा ने 31 अक्टूबर को अपनी राज्य कार्यकारिणी की बैठक बुलाकर एक संदेश देने की कोशिश की है। उसकी तैयारी सभी सीटों में लड़ने की हो सकती है। सपा के प्रवक्ता सुनील साजन कहते हैं कि सपा अपनी सभी 80 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। बूथ से लेकर सेक्टर सभी को मजबूत किया जा रहा है। अभी 31 को होने वाली राज्यकार्य कारिणी में लोकसभा के साथ अन्य राज्यों में हो रहे चुनाव के लिए कार्यकर्ता भी लगाने की बात होगी। वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक अमोदकान्त मिश्रा कहते हैं कि कांग्रेस व सपा के रिश्ते में लगातार तल्खी बढ़ती जा रही है। इसे लेकर सपा के नेतृत्व में नाराजगी है। पांच राज्यों में सीट न मिलने के बाद सपा के साथ हुई रार कम नहीं हो पा रही है। दोनों दलों में अविश्वास बढ़ रहा है। तो कहीं पोस्टर वार कहीं मुस्लिम प्यार यह लड़ाई को और बढ़ा रहे हैं। सपा निश्चित तौर से अपनी अलग तैयारी कर रही होगी। अगर बात नहीं बनती तो हो सकता वो अकेले भी मैदान में उतर जाए।

धड़ल्ले से बिक रहे रिहायशी क्षेत्र में प्रतिबंधित विस्फोटक पटाखे

लखनऊ। लखनऊ जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन की सरपंती में कारोबार रकाबगंज नेहरू क्रॉस से नादानमहल महल रोड तक पटाखो का अवैध कारोबार फल फूल रहा है। यहां होलसेल व फुटकर मंडी लगती है। जहां प्रत्येक वर्ष

दीपावली के 20 से 25 दिन पहले बाहर से आए दुकानदार यहां पटाखो का कारोबार करते है। तथा रकाबगंज चौराहे से नादान महल रोड तक घनी आबादी के बीच में गैर कानूनी ढंग से अवैध विस्फोटक प्रतिबंधित पटाखो की मण्डी सड़क के दोनों ओर थाना वजीरगंज थाना चौक और थाना बाजार खाला के अन्तर्गत यहाँ दुकाने गन हाऊस बन्दूक वाले के नाम से सजती है खुलेआम सभी प्रकार के विस्फोटक प्रतिबंधित पटाखो की बिक्री दीवाली तक होती है। जो कि पुलिस प्रशासन की मिली भगत के बगैर संभव नहीं है। इस प्रकार के अवैध विस्फोटक पटाखो से जोखिम व जान माल का खतरा बना हुआ है। जिससे क्षेत्रीय जनता में भय का माहौल है। हालात की गंभीरता को समझते हुए अधिवक्ता सुरेंद्र सिंह आजाद जिला प्रमुख धर्म प्रसार विश्व हिंदू परिषद एवं प्रदीप दीक्षित उपाध्यक्ष भारत नगर विश्व हिंदू परिषद ने पुलिस उपायुक्त को पत्र लिखकर इस गंभीर खतरे से अवगत कराया है साथ ही सरकार से भी क्षेत्रीय जनता की तरफ से अनुरोध किया है की क्षेत्रीय जनता की जान माल की सुरक्षा को देखते हुए जरूरी और व ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। आश्चर्य की बात है की पुलिस प्रशासन को इसकी भनक नहीं है। यहाँ से गुजरते हुए उनको रकाबगंज चौराहे से नेहरूक्रास तक दोनों तरफ थाना अन्तर्गत वजीरगंज थाना चौक के अन्तर्गत खुले आम पटाखों की दर्जनोअवैधा दुकाने और उन पर लगी भीड़ नहीं दिखी। शहर के बीच जहां पर लकड़ियों की आरामशीने, प्लास्टिक के सामान पेन्टस, खाद्य तेलों, व कपड़ों की तमाम दुकानें हैं यदि इस आतिशबाजी की दुकानों से एक चिनगारी छूट जाये तो कितना बड़ा हादसा हो सकता है। पुलिस प्रशासन सब देखते हुए भी मौन है। अगर ऐसी दशा कोई दुर्घटना घट जाती है तो यहां के रहने वालों को जो छती पहुंचेगी उसकी भरपाई करना सम्भव नहीं हैं।जबकि पटाखे बेचने के लिए सरकार ने खुले मैदान आवंटित कर दिये वो भी केवल लाइसेंस धारकों के लिए फिर ये अवैध व गैर कानूनी कार्य प्रशासन की देखरेख में कैसे चल रहा है।

'छात्राएँ कॉलेज के गौरवशाली इतिहास से प्रेरणा ग्रहण करें'—प्रो. नईमा खघतून

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के वीमेन्स कॉलेज में स्नातक प्रथम सेमेस्टर की छात्राओं के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कॉलेज की प्राचार्या प्रो. नईमा खघतून ने इस अवसर पर मुख्य वक्तव्य दिया। छात्राओं को संबोधित करते हुए प्रो. खघतून ने उन्हें कॉलेज के गौरवशाली अतीत और समृद्ध इतिहास से अवगत कराया। कॉलेज की स्थापना के क्रम में शेख अब्दुल्ला एवं वहीद जहाँ बेगम द्वारा जो कष्ट उठाए गए, छात्राओं की शिक्षा हेतु जो असीम त्याग तथा बलिदान दिया, उनके विषय में विस्तार से बताते हुए प्रो. खातून ने छात्राओं से आग्रह किया कि वे 'पापा मियाँ' और 'आला बी' के जीवन—मूल्यों से प्रेरणा ग्रहण करें और उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएँ। शेख? अब्दुल्ला ने जिस संस्थान को एक छोटे से स्कूल के रूप में केवल छह छात्राओं के साथ प्रारंभ किया था, आज वही वीमेन्स कॉलेज के रूप में लगभग तीन हजार छात्राओं का घर बन चुका है जहाँ से वे शिक्षा ग्रहण कर अपने स्वर्णिम भविष्य की ओर आगे बढ़ रही हैं। प्रो. नईमा खातून ने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें शिक्षा प्राप्त करने के मार्ग में आने वाली कठिनाइयों एवं चुनौतियों का निर्भीकतापूर्वक सामना करने की सलाह दी। अपना अधिकांश समय अपने लक्ष्य—पूर्ति हेतु समर्पित करने का संदेश देते हुए प्रो. खातून ने छात्राओं से जीवन में निरंतर आगे बढ़ते रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. बुशरा हुसैन ने किया, आयोजन समिति सदस्यों प्रो. जेबा शीरीं, प्रो. शौकत हसीं, प्रो. पुनीता गोविल, प्रो. निकहत यासमीन, डॉ. बुशरा तथा डॉ. नुसरत ने कार्यक्रम के आयोजन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। दीक्षारंभ में प्रथम सेमेस्टर की लगभग सभी छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता की।

मंत्री को कट, सोशल अकाउंट संचालन की बातय जाँच की मांग

लखनऊ,(यूएनएस)। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने मुख्यमंत्री यूपी योगी आदित्यनाथ को जलशक्ति विभाग, उत्तर प्रदेश के टेंडर में भारी घोटाले सहित कतिपय अन्य गंभीर आरोपों के संबंध में शिकायत भेज कर जाँच की मांग की है। उन्होंने अपनी शिकायत के साथ दो व्यक्तियों की 4.03 मिनट की बातचीत की एक ऑडियो रिकॉर्डिंग भेजी है. बातचीत अगस्त 2021 की बताई गयी है. बातचीत में एक कंपनी, जिसका नाम एप्पइन्वेंटिव टेक्नोलॉजीज बताया गया है, को शीघ्र ही जल संसाधन विभाग से अस्सी करोड़ रुपये का टेंडर मिलने की बात है. कहा जा रहा है कि यह मात्र तीन महीने का काम है और इस अस्सी करोड़ में लगभग चालीस करोड़ काम करने और लोगों को हिस्सा देने में चले जायेंगे. बाकी लभगभ चालीस—पैंतालिस करोड़ की सीधी बचत हो जाएगी. इसमें जल शक्ति मंत्री को इस टेंडर में कट (हिस्सा) दिए जाने, उनका सोशल मीडिया अकाउंट इस कंपनी द्वारा संचालित किये जाने जैसी तमाम बातें कही जा रही हैं. कहा जा रहा है कि कुल टेंडर सौ करोड़ से ऊपर का है. टेंडर की प्रक्रिया में तीन अपनी ही कंपनी को मनमाने ढंग से चयनित कर लिया गया है, जिसमे एप्पइन्वेंटिव को अस्सी करोड़ और बाकी दो कम्पनियों को कम पैसे का टेंडर दिया जायेगा. यह कहा जा रहा है कि टेंडर की पूरी फॉर्मेलिटी हो गयी है और आगामी एक तारीख को काम मिल जायेगा. यह भी कहा जा रहा है कि दिसंबर के बाद जो डेढ़ सौ करोड़ का एक और टेंडर आएगा। अमिताभ ठाकुर ने कहा कि अभिलेखों के अनुसार इस कंपनी का रजिस्ट्रेशन 08 जून 2016 को हुआ, किन्तु इस कंपनी द्वारा अपने अनुभव में इससे कई वर्ष पूर्व 01 जनवरी 2011 तथा 06 सितम्बर 2012 के काम दर्शाए जा रहे हैं, जो असंभव है, किन्तु इसके बाद भी इसे ही काम दिया गया। बातचीत में कई अन्य लोगों पर भी गंभीर आरोप हैं। अमिताभ ठाकुर ने इन समस्त तथ्यों की जाँच व समुचित कार्यवाही की मांग की है।

वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने-हटाने का काम शुरू,

अभियान के दौरान छह विशेष तिथियां तय की गईं, रिवीजन से जुड़े अधिकारियों के तबादले पर रोक

लखनऊ। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से लोकसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची को दुरुस्त करने के लिए विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान शुक्रवार से शुरूकिया जा रहा है। इसको लेकर मतदाता सूची का प्रकाशन शुक्रवार को किया जाएगा। पहली जनवरी 2024 को आधार मानकर शुरू किये गये इस अभियान में मतदाता 9 दिसम्बर तक अपनी दावा—आपत्ति प्रस्तुत कर सकेंगे। अभियान के दौरान छह विशेष तिथियां भी निधारित की गयी हैं। मतदाता सूची का अन्तिम प्रकाशन पांच जनवरी 2024 को किया जाएगा। पुनरीक्षण अभियान को लेकर निर्वाचन आयोग ने इससे जुड़े अधिकारियों के तबादले पर पांच जनवरी 2024 तक रोक लगा दी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिनवा ने बताया कि अभियान के दौरान 04ॉ 05ॉ 25 व 26 नवम्बर तथा 02 व 03 दिसम्बर की विशेष तिथियां तय की गयी हैं। इस दौरान पहली जनवरी 2024 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले या पहले से छूटे मतदाता अपना नाम शामिल करा सकेंगे। इस दौरान मतदाता नाम शामिल कराने के लिए फार्म—छहॉ मतदाता सूची से मृतक या शिफ्टेड़ मतदाताओं के नाम हटाने के लिए फार्म—सात व किसी संशोधन के लिए फार्म—आठ भर सकते हैं। शुक्रवार को प्रकाशित होने वाली मतदाता सूची को सीईओ उत्तर प्रदेश की वेबसाइट पर भी देखा जा सकेगा। उन्होंने बताया कि आयोग के निर्देशानुसार पुनरीक्षण कार्य के दौरान इससे जुड़े अधिकारियों का तबादला बिना आयोग की अनुमति के नहीं हो सकेगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में आलेख्य प्रकाशन के समय 150339879 मतदाता हैं। इनमें 80515501 पुरुषॉ69816532 महिला व 7846 तृतीय लिंग के मतदाता हैं। 05 जनवरी 2023 के बाद कुल 1720088 नाम शामिल किये गये हैं तथा 1860774 नाम सूची से हटाये गये हैं। मौजूदा समय में मतदाता सूची में जेण्ड़र रेशियो 867 है। प्रदेश में मौजूदा समय में 92587 मतदान केन्द्रों में 162012 मतदेय स्थल हैं। उन्होंने बताया कि दावे—आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि में मतदाता अपना नाम सीईओ उत्तर प्रदेश की वेबसाइट पर चेक कर सकते हैं। यदि कोई मतदाता वर्ष 2024 में पहली अप्रैलॉ एक जुलाई या पहली अक्टूबर को 18 वर्ष की आयु पूरी कर रहा है तो वह भी अपना नाम शामिल कराने के लिए फार्म—छह अग्रिम रूप से भरकर दे सकता हैं जिसका नाम मतदाता सूची में सम्बन्धित तिथि को शामिल हो जाएगा।

पत्रकार महेश तिवारी के निधन पर शोक

लखनऊ। अखिल भारतीय समाचार पत्र एसोसिएशन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री महेश तिवारी का देहान्त हो गया है। महेश तिवारी के निधन का समाचार पाकर नगर तथा देहात सहित देश के दर्जनों सम्पादक, पत्रकार, राजनेता व गणमान्य नागरिकों ने संवेदना व्यक्त की है। मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश त्रिवेदी, महासचिव डा. अनिल कटियार, उपाध्यक्ष केशव पांडेय, उमा मिश्रा, गगन श्रीवास्तव, मो. अकरम, अलोप कुमार तिवारी, हीरालाल बेदी, आदि ने श्री महेश तिवारी के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की है। इसी प्रकार उ.प्र. श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष डा. राजेश त्रिवेदी, महामंत्री रमेश शंकर पांडेय, उपाध्यक्ष रविंद्र सिंह, सचिव लक्ष्मीकांत पाठक, प्रवक्ता राकेश कश्यप, शशिकांत पांडेय, अनुराग शर्मा, चंद्रप्रकाश चौरसिया, जितेंद्र बाजपेयी, दुर्गेश मिश्र, सोनू कनौजिया, देवेश नायक, कोमल पत्रकार, प्रिया भट्टाचार्य, अर्चना गुप्ता, प्रियंका गुप्ता आदि आपात बैठक बुलाकर श्री महेश तिवारी को श्रद्धांजलि अर्पित की। लघु मध्यम समाचार पत्र समिति के अध्यक्ष ज्ञानेंद्र मिश्र, महामंत्री धनराज महेश्वरी ने भी संवेदना व्यक्त की है।

विश्वविद्यालय इंटर कॉलेजिएट क्लाइंट काउन्सलिंग प्रतियोगिता का हुआ उद्घाटन

लखनऊ, (यूएनएस)। लखनऊ विश्वविद्यालय की विधि संकाय की एडीआर ड्राफ्टिंग एवं लिटरेरी सोसाइटी एवं प्रो बोनो के द्वारा इंटर कॉलेजिएट क्लाइंट काउन्सलिंग प्रतियोगिता का उद्घाटन विधि संकाय के जूरिस हॉल मे हुआ। कार्यक्रम की शुरुवात विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर डॉ बंशीधर सिंह द्वारा की गई। प्रशांत सिंह अटल मुख्य स्थाई अधिवक्ता (प्रथम)उत्तर प्रदेश सरकार मुख्य अतिथि के रूप मे उपस्थित रहे, विनोद कुमार सिंह रजिस्ट्रार लखनऊ विश्वविद्यालय एवं रजनीश अरोड़ा डायरेक्टर इण्डियन फोरेन लैंग्वेज सेंट्रल यूनिवर्सिटी विशिष्ट अतिथिगण के रूप मे उपस्थित रहे। आलोक कुमार यादव एसोसियेट प्रोफेसर लखनऊ विश्वविद्यालय प्रोबोनो के फैकल्टी कॉर्डिनेटर के रूप में उपस्थित रहे।

प्रोफेसर बीडी सिंह ने क्लाइंट काउन्सलिंग की उपयोगिता तथा प्रतियोगिता से संबंधित कीमती सुझाव दिये। मुख्य स्थायी अधिवक्ता प्रशान्त सिंह अटल ने अधिवक्ता जीवन के व्यावहारिक पहलुओ पर रोशनी डालते हुए इतिहास से जुड़े तथ्यों को सामने रखा और वकालत पेशे की पवित्रता को बताया गया। डॉ विनोद कुमार सिंह रजिस्ट्रार लखनऊ विश्वविद्यालय ने विद्यार्थी जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण बातों को बताया और विद्यार्थी जीवन मे एकाग्रता एवं ध्यान का महत्व बताया। रजनीश अरोड़ा डायरेक्टर इण्डियन फोरेन लैंग्वेज सेंट्रल यूनिवर्सिटी लखनऊ, ने लीगल फील्ड मे कम्यूनिकेशन के महत्व को बताया।अलोक कुमार यादव एसोसियेट प्रोफेसर लखनऊ विश्वविद्यालय ने इस प्रतियोगिता के आयोजन हेतु सभी आयोजक संस्थाओं के बच्चो को तथा अतिथिगण को शुभकामनाएं दी। प्रतियोगिता मे लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध विभिन्न कॉलेजों की 64 टीमो ने भाग लिया। प्रतियोगिता का क्वार्टर फाइनल एवं सेमीफाइनल राउंड 28 अक्टूबर को आयोजित होगा । फाइनल राउण्ड 29 अक्टूबर को आयोजित होगा।

प्रमोद तिवारी ने शोभारानी कुशवाहा को राजस्थान विधान सभा के चुनाव में कांग्रेस से "टिकट मिलने पर आभार व्यक्त किया

लखनऊ। प्रमोद तिवारी, सांसद, उप नेता, राज्य सभा ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष, राज्य सभा मल्लिकार्जुन खड़गे तथा राजस्थान प्रदेश के मुख्यमन्त्री अशोक गहलौत के प्रति कृतज्ञता अर्पित करते हुये आभार व्यक्त किया है कि उन्होंने भारतीय जनतापार्टी की विधायक शोभारानी कुशवाहा को विधान सभा के चुनाव में कांग्रेस पार्टी का "टिकट" दिया है। स्मरणीय है कि शोभारानी कुशवाहा ने भारतीय जनतापार्टी से बगावत करके खुलकर प्रमोद तिवारी के पक्ष में विधायक के रूप में राज्य सभा के चुनाव में अपना मतदान किया था। उत्तर प्रदेश की पारिवारिक पृष्ठभूमि की वजह से उन्होंने प्रमोद तिवारी के पक्ष में मतदान किया था, और उसी ने राज्य सभा के चुनाव का रुख बदल दिया था, और प्रमोद तिवारी सर्वाधिक 41 वोट पाकर राज्य सभा के सदस्य बने थे। यद्यपि की शोभारानी कुशवाहा को भारतीय जनतापार्टी ने हटाया नहीं था और न ही उन्हें पार्टी से ही निकाला था फिर भी प्रमोद तिवारी ने अपना बचन निभाया और कल शोभारानी कुशवाहा ने भारतीय जनतापार्टी छोंड़कर कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। श्री तिवारी ने कांग्रेस नेतृत्व सोनिया गॉधी और राहुल गॉधी के प्रति कृतज्ञता अर्पित की है।

मां के भजनों पर झूमे भक्त, माता के जागरण में निकाली गई विभिन्न झांकियां

बस्ती,(यूएनएस)। जिले के रुधौली में दुर्गा पूजा के मौके पर भगवती जागरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। जिसमें फैजाबाद से आए देवनरायण जागरण ग्रुप द्वारा भजन प्रस्तुत कर विभिन्न झांकियां निकाली गई। जिसे लोगों ने खूब सराहा। भारी भीड़ के बीच भजन गायक दिलीप पटेल ने मां के भजनों को सुनाकर माहौल को देवीमय बना दिया। जागरण की शुरुआत मोहन शास्त्री ने गणपति वन्दना से किया। जबकि भजन गायक दिलीप पटेल ने जगराता मईया की हो जगराता मईया भजन सुना कर खचाखच भरे पंडाल में लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। चलो बुलाया आया है माता ने बुलाया है भजन भी सुनाया। कार्यक्रम मे भजन गायिका सपना शुक्ला ने भी अपने भजनों को सुना कर मंत्रमुग्ध कर दिया। जागरण में राधा कृष्ण का नृत्य देखकर लोग झूम उठे। वहीं मां दुर्गा की झांकी, हनुमान जी की झांकी, गणपति की झांकी एवं काली जी की झांकी निकाली गई। मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी ने लोगों को सम्बोधित किया। इस मौके पर हियुवा जिला अध्यक्ष शशिभूषण सिंह, विजय तिवारी, रामउग्रह जायसवाल, राजकुमार सोनी, राधेश्याम चौधरी, कृष्ण कुमार गुप्ता, भानू चौधरी, श्रवण पासवान सहित आदि लोग उपस्थित रहे। रुधौली के बांसी रोड पर आयोजित वैष्णवी जागरण ग्रुप द्वारा जागरण कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। जिसमें भजन सम्राट डीएस पाल ने गणेश वंदना से शुरुआत की। भजन सम्राट ने मां के भजन शेरावाली अपने भक्तों को निहाल करती सुना कर माहौल को देवीमय बना दिया। जबकि जय हो अंबे जय हो दुर्गे कल्याणी गीत पर लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। वहीं गोरखपुर से आई भजन गायिका सोनी कश्यप ने मां के भजन सुनाकर खुब वाहवाही बटोरी। जबकि भजन गायक धनंजय सिंह ने तेरे दर पर आया मां मेरी भर दो झोली सुनाकर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस मौके पर रानू पाण्डेय, अष्टभुजा चौरसिया, महेंद्र त्रिपाठी, दिलीप अग्रहरी, हरीश गुप्ता आदि लोग उपस्थित रहे।

भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है : अखिलेश

लखनऊ, (यूएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है। सभी योजनाओं में बिचौलिए उगाही करते है। इस सबकी जानकारी होते हुए भी सरकार की आंखे बंद हैं। श्री यादव ने कहा कि ताजा मामला कन्नौज का है। जहां प्रधानमंत्री आवास योजना में भ्रष्टाचार के कारण युवती ने सुसाइड कर लिया। प्रधानमंत्री आवास के नाम पर कन्नौज की तिर्वा निवासी सोनम को ठगा गया। इस कारण वह बहुत दुःखी थी। भाजपा सरकार की प्रदेश और केन्द्र की योजनाओं में जमकर भ्रष्टाचार हो रहा है। बजट की लूट हो रही है। कोई योजना जमीन पर नहीं दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं ध्वस्त है।

सरकार जनता के डेंगू, मलेरिया बुखार तक का इलाज उपलब्ध नहीं करा पा रही है। अस्पतालों में दवाए और अन्य सुविधाएं नहीं है। जनता परेशान और बेहाल है। सरकार पिछले छह साल से गड्ढ़ामुक्त योजना चला रही है लेकिन सड़कों के गड्ढे नहीं खत्म हो रहे है। गड्ढा मुक्त योजना के नाम पर कई हजार करोड़ रूपए बजट की लूट हो गई है लेकिन सड़कों की हालत बद से बदतर होती जा रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार इस कदर बढ़ गया है कि अब मामला सरकारी बजट की लूट से आगे बढ़कर आम जनता को लूटा और ठगा जा रहा है। भाजपा राज में योजनाओं का हल्ला ज्यादा है, लोगों को लाभ नहीं हो रहा है। जनता का हर वर्ग उत्पीड़न का शिकार है। भ्रष्टाचार से आम जनता त्राहि—त्राहि कर रही है।

अमृत कलशों को भेजा गया लखनऊ,सांसद ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया रथ

बहराइच,(यूएनएस)। जिले में मेरी माटी मेरा देश—अमृत कलश यात्रा के 14 विकास खण्ड तथा 08 नगर निकायों से एकत्रित किए गए 23 अमृत कलशों को सुसज्जित वाहन में रखकर लखनऊ के लिए रवाना किया गया। जहां पर गोमती तट पर स्थित झूलेलाल पार्कमें मुख्यमंत्री व अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में भव्य कार्यक्रम सम्पन्न होगा। इसके बाद अमृत कलश दिल्ली भेजा जाएगा। जहां पर 30 अक्टूबर को 'आजादी का अमृत महोत्सव'' अभियान का समापन होगा। सांसद अक्षयवर लाल गोंड और मुख्य विकास अधिकारी हरी झंडी दिखाकर कलेक्ट्रेट परिसर से अमृत कलश रथ को रवाना किया। जनपद से रवाना हुए कलश रथ का नेतृत्व जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय कुमार सिंह करेंगे। कलश रथ में जिले के समस्त 14 विकास खण्ड व 08 नगर निकायों का नेतृत्व नेहरू युवा केन्द्र के चयनित स्वयं सेवकों द्वारा किया जायेगा। अनुज कुमार वर्मा ब्लाक मिहींपुरवा, अभिषेक पाठक नवाबगंज, विनीता शर्मा बलहा, रंजना प्रजापति रिसिया, दीपक कुमार तिवारी चित्तौरा, अनुराग सिंह पयागपुर, निधि शुक्ला विशेश्वरगंज, रमेश कुमार हुजूरपुर, अभिषेक तिवारी फखरपुर, अतुल कुमार मिश्र कैसरगंज, उदयराज गौतम जरवल, रवि शंकर तिवारी तेजवापुर, सोनी महसी व मंजू देवी ब्लाक शिवपुर का नेतृत्व करेंगी। इसके अतिरिक्त शिवा अवस्थी बहराइच नगर पालिका परिषद व सुनील कुमार चौधरी नानपारा, दावर किरमानी नगर पंचायत जरवल, संतोष कुमार कैसरगंज, प्रियंका रिसिया, हरीओम शुक्ला पयागपुर, जुगेश कुमार मिहींपुरवा तथा अभिषेक कुमार गौतम नगर पंचायत रूपईडीहा का नेतृत्व करेंगे। इस दौरान जिला विकास अधिकारी महेन्द्र कुमार पाण्डेय, जिला पंचायत राज अधिकारी राघवेन्द्र कुमार द्विवेदी, जिला पर्यटन सूचना अधिकारी मनीष श्रीवास्तव, क्रीड़ाधिकारी नीरज मिश्रा, खण्ड विकास अधिकारी मिहींपुरवा अजीत कुमार सिंह, रिसिया के विनोद यादव, महसी के हेमन्त यादव व अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम का समापन,

भाजपा सरकार में महिलाओं को मिल रहा पूरा सम्मान, योजनाओं से बनीं स्वावलंबी

बस्ती। जिले में भारतीय जनता पार्टी शीर्ष नेतृत्व के आह्वान पर आयोजित नारी शक्ति वंदन सम्मेलन का समापन सल्टौआ गोपालपुर में हुआ। इसकी अध्यक्षता रोली सिंह ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय ने कहा कि नारी सशक्तिकरण के लिए जो काम प्रधानमंत्री मोदी ने किया वह पिछले 70 सालों में नहीं हुआ था।भाजपा सरकार में महिलाओं को पूरा सम्मान मिल रहा है। कहा कि महिलाओं के लिए बचत खाता खुलवाना, महिलाओं के नाम राशन कार्ड, मातृशक्ति के स्वास्थ्य का ख्याल रखते हुए उज्ज्वला योजना, देश की लाखों महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं के जरिए स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से स्वावलंबी बनाया।

सांसद हरीश द्विवेदी ने कहा पिछले 25 वर्षों से महिलाओं की भागीदारी के विधेयक को पास कर लागू करने में पिछली सरकारों ने रुचि नहीं दिखाई, लेकिन हमारी सरकार ने महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटों के आरक्षण का विधेयक पास कर हमारी बहनों का मान बढ़ाने का कार्य किया है। जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने महिला आरक्षण विधेयक संसद में पास करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विधेयक पास होने से लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा। नारी शक्ति वंदन सम्मेलन समापन अवसर पर नीलम गौड़, मगन शुक्ला, ममता सिंह, सुधाकर सिंह, अभिषेक कुमार, भानु प्रकाश मिश्र, चंद्रभान गुप्ता, राम नेवास गिरी, संजीव राय, संजय चौधरी, ममता पांडेय, गीता देवी, अनिल दुबे, दुष्यन्त विक्रम सिंह, यशकांत सिंह आदि मौजूद रहे।

तालाब में मिले युवक का हुआ पहचान,पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद पता चल सकेगा मौत का कारण

बहराइच। जिले के जरवलरोड के पास तालाब में मिले शव की पहचान हो गई है। युवक के परिजन गोरखपुर से आकर पहचान की। परिजनों के आने के बाद एसपी ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। जरवल रोड थाना क्षेत्र के गोरखपुर लखनऊ रेल प्रखंड पर घाघरा घाट रेलवे स्टेशन व रेलवे पुल के बीच रेलवे लाइन किनारे बने तालाब में एक युवक का शव गुरुवार को बरामद हुआ था। पुलिस ने मृतक की पहचान के लिए जनपद के विभिन्न स्थानों को फोटो भेजी थी। शुक्रवार सुबह गोरखपुर जनपद के हाटा बाजार शिवपुर निवासी चंदन गौड़ पुत्र रामवृक्ष जरवल रोड पहुंचे। उन्होंने मृतक की पहचान चचेरे भाई शिवम गौड़ पुत्र राधेश्याम गौड़ के रूप में की। चंदन ने बताया कि शिवम देहरादून नौकरी के लिए गए थे दो दिन पूर्व ट्रेन से देहरादून से गोरखपुर के लिए रवाना हुए थे। मौत कैसे हुई। इसकी उन्हें जानकारी नहीं है। उधार घटना की जानकारी मिलने पर सुबह पुलिस अधीक्षक प्रशांत वर्मा, एसपी सिटी कुंवर ज्ञानज्जय सिंह, सीओ कमलेश कुमार सिंह के साथ घटनास्थल पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य सुरक्षित किया। एसपी ने पुलिस को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। प्रभारी निरीक्षक दद्दन सिंह ने बताया कि परिवार की ओर से अभी कोई आरोप नहीं लगाए गए हैं। फिलहाल पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

मिशन शक्ति के तहत बच्चों को किया गया जागरूक,

स्लम एरिया और स्कूल कॉलेज में चलाया गया अभियान

नोएडा,। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर लक्ष्मी सिंह के निर्देश पर कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर पुलिस द्वारा जिले के 15 स्लम एरिया व आस–पास क्षेत्रों में मिशन शक्ति–4 अभियान के अंतर्गत बच्चो (उम्र 12–18 वर्ष) के लिए मिशन प्रतिभाग (भागीदारी) शुरू किया गया है। जिसके तहत स्लम एरिया में रहने वाले बच्चों और स्कूल कॉलेज के बच्चों को जागरूक किया जा रहा है। मिशन प्रतिभाग अभियान बच्चों को स्कूल के बाद की गतिविधियों में शामिल करने और उन्हें पॉक्सो अधिनियम के तहत पीड़ित होने या अपराध करने से रोकने के लिए एक सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम है। इसके अंतर्गत साइबर, फायर और ट्रैफिक विभाग के साथ मिलकर 5 अलग–अलग समूहों ने कला और शिल्प, नृत्य, नुक्कड़ थिएटर, वृत्तचित्र प्रदर्शन, आत्मरक्षा, सीपीआर और प्राथमिक चिकित्सा और कानूनी जागरूकता के क्षेत्र में कार्यक्रम आयोजित करने के लिए विभिन्न एनजीओ के सहयोग से गौतमबुद्धनगर पुलिस द्वारा डीसीपी महिला सुरक्षा के नेतृत्व में अभियान चलाया जा रहा है। जोकि 16 अक्टूबर से शुरू होकर 15 दिनों की अवधि (30 अक्टूबर 2023) तक चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर के अन्तर्गत साइबर सिक्योरिटी, यातायात और फायर सर्विस टीम द्वारा थाना फेस–2 क्षेत्र के अंतर्गत भंगेल स्थित स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे वहां उपस्थित नागरिकों को साइबर फ्रॉड से बचाव के तरीके, यातायात के नियमों का पालन करना तथा अग्नि से बचाव के तरीकों के बारे में बताया गया। मिशन प्रतिभाग में गौतमबुद्धनगर पुलिस के साथ के.एन.एम.ए(किरण नादर म्यूजियम ऑफ आर्ट) संस्था द्वारा थाना सेक्टर 142 क्षेत्र के अंतर्गत सेक्टर 138 स्थित पार्क में बाल कलाकार प्रोग्राम के अंतर्गत बच्चो के अंदर छुपी हुई प्रतिभा को विकसित करने के मुख्य उद्देश्य से बाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह समाज में कला और संस्कृति को बढ़ावा देने वाली संस्था है जिससे बच्चो के अंदर आत्मविश्वास व आत्म अभिव्यक्ति में वृद्धि की जा सके और वह अपनी आवाज व हुनर को दुनिया के सामने रख सके। युवा वाईएसएस फाउंडेशन द्वारा थाना फेस–1 स्थित सेक्टर 09 व सेक्टर 10 स्थित काली माता मंदिर के पास बच्चो को अपनी आत्मरक्षा हेतु किस प्रकार से सजग रहना चाहिए के सम्बन्ध में कार्यक्रम का आयोजन कर जानकारी साझा की गयी। गौतमबुद्धनगर पुलिस महिला सुरक्षा पुलिस टीम व सदरग फाउंडेशन के सहयोग से थाना बीटा–2 क्षेत्र के अंर्तगत अल्फा 2 के पास टेंट हाउस में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करते हुए पोक्सो एक्ट तथा घरेलू हिंसा पर जानकारी देते हुए बताया कि अगर उनके साथ किसी तरह की आपत्तिजनक घटनाएं हो रही हैं तो वो चुप ना रहें ना ही अपनी बच्चियों को चुप रहना सिखाएं। बल्कि इसके खिलाफ आवाज उठाएं एवं पुलिस से सहायता ले।

मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य का जिलाधिकारी ने किया शुभारम्भ

बहराइच। जिलाधिकारी मोनिका रानी ने मतदान केन्द्र महिला महाविद्यालय में दीप प्रज्ज्वलित कर जनपद में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत के गायन से डीएम का अभिवादन किया गया। कार्यक्रम के दौरान डीएम ने बूथ लेबिल अधिकारियों को पुनरीक्षण कार्य में प्रयोग किये जाने वाले विभिन्न प्र–पत्रों का वितरण किया। पुनरीक्षण कार्य के शुभारम्भ अवसर पर जिलाधिकारी मोनिका रानी ने मतदाता सूची के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शान्तिपूर्ण चुनाव को सम्पन्न कराने के लिए मतदाता सूची अत्यन्त महत्वपूर्ण अभिलेख है। डीएम ने कहा कि प्रायः देखने में आता है कि मतदाता सूची की गलतियों के कारण मतदान जैसे महत्वपूर्ण में विघ्न पड़ता है। नाना प्रकार के विवाद भी पैदा होते हैं। डीएम ने पुनरीक्षण कार्य से जुड़े अधिकारियों एवं कार्मिकों को निर्देश दिया कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों का अनुपालन कराते हुए सभी अर्ह नागरिकों का नाम मतदाता सूची में सम्मिलित कराने के लिए प्रपत्र–6, डिलीशन के लिए प्रपत्र–7 व संशोधन के लिए प्रपत्र–8ए इत्यादि फार्म भरवायें तथा आयोग द्वारा विकसित किये गये। नेशनल वोटर सर्विस पोर्टल (एनवीएसपी) के सम्बन्ध में भी लोगों को जागरूक किया जाए। जिससे इच्छुक व्यक्ति स्वयं से पंजीकरण कर मतदाता सूची में अपना नाम शामिल करा सकते हैं। डीएम ने बूथ लेबिल अधिकारियों को निर्देश दिया कि लोगों को पुनरीक्षण कार्य हेतु आयोग द्वारा जारी समयसारिणी की जानकारी आमजन को प्रदान की जाए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने जनपदवासियों विशेषकर 1 जनवरी 2022 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवक–युवतियों से अपील की है कि पूरे उत्साह के साथ मतदान केन्द्रों पर आकर अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज करायें। उन्होंने बताया कि आयोग द्वारा घोषित विशेष अभियान तिथियों 4, 5, 25 व 26 नवम्बर तथा 2 व 3 दिसम्बर 2023 को समस्त बूथ लेबिल अधिकारी पदाभिहित अधिकारियों के साथ बूथ पर उपस्थित रहकर लोगों का नाम मतदाता सूची में सम्मिलित कराने, डिलीशन, स्थान परिवर्तन इत्यादि के लिए प्रपत्र प्राप्त करेंगे।

आउटसोर्सिंग कर्मियों के आगे झुका पालिका प्रशासन

बस्ती। जिले में नगर पालिका परिषद में कार्यरत आउट सोर्सिंग कर्मी बकाया मानदेय भुगतान को लेकर धरने पर बैठ गए। इस दौरान उन्होंने कार्य बहिष्कार कर दिया। शहर के पंपो से पानी की सप्लाई बंद कर दी गई, जिसके चलते घरों में पानी नहीं पहुंच सका। मानदेय को लेकर आंदोलन कर रहे आउट सोर्सिंग कर्मचारियों के आगे पालिका प्रशासन को झुकना पड़ा। पालिका परिसर में कर्मी सुबह छह बजे ही धरने पर बैठ गए, जिनको मनाने में नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी सहित अन्य अधिकारी सुबह से ही लगे रहे, लेकिन कर्मचारियों का कहना था पालिका प्रशासन ने पिछली बार भी आंदोलन के दौरान वादा किया था, लेकिन उसे पूरा नहीं किया। कर्मचारियों का कहना था कि जब तक बकाया भुगतान नहीं हो जाता तब तक वे धरने पर बैठे रहेंगे। धरने पर बैठे कर्मचारियों का कहना था कि कई माह से मानदेय नहीं मिला है, जबकि काम प्रत्येक दिन लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि घर खर्च चलाने के लिए कर्ज लेना पड़ रहा है। जिससे कर्ज लिया वह भी अब मांग रहे हैं। कुछ कर्मचारियों ने कहा कि बच्चों के स्कूल की फीस भी नहीं भर पा रहे हैं। विद्यालयों से बार–बार फीस के नोटिस मिल रहे हैं। ऐसे में धरने पर बैठना यही एक रास्ता रह गया था। बकाया मानदेय को लेकर जब ईओ नगर पालिका परिषद दुर्गेशनंदन त्रिपाठी से बात की गई तो उन्होने कहा कि कर्मचारियों ने धरना समाप्त कर दिया है। अध्यक्ष महोदया की संस्तुति पर बकाया मानदेय को रिलीज कर दिया गया है। जल्द ही अन्य बकाया भी रिलीज कर दिया जाएगा। सभी कर्मचारी राजी खुशी होकर अपने काम पर लौट गए हैं। पूरी कोशिश रहेगी कि हर माह मानदेय सभी के खाते में जाता रहे।

ग्रामीण पर्यटन पर राज्य सरकार का विशेष फोकस : जयवीर सिंह

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पर्यटन और संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया ग्रामीण पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार और आमदनी की प्रचुर सम्भावनाओं को देखते हुए पर्यटन विभाग ग्रामीण पर्यटन पर विशेष जोर दे रहा है। इसके अन्तर्गत युवा टूरिज्म क्लब के ने नजदीक से ग्रामीण जीवन से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों को देखा और ग्रामीण पर्यटन के बारे में ग्रामवासियों को जागरूक किया। उन्होंने बताया कि ग्रामीण पर्यटन में आजीविका की असीमित सम्भावनाओं को देखते हुए युवा पर्यटन क्लब के सदस्यों को गांवों

सदस्यों को ग्रामीणों को आतिथ्य सत्कार के लिए जागरूक किया जा रहा है। ग्रामीण पर्यटन के अन्तर्गत 19 गांवों का चयन किया गया है। इन गांवों में विभागीय टीम के साथ टूरिज्म क्लब के सदस्यों को गांवों में भेजकर गांवों के लोगों को जागरूक किया जा रहा है। वहीं ग्रामवासियों को आतिथ्य सत्कार की जानकारी देने के लिए शुक्रवार को झांसी जनपद के बरूआ सागर तथा आगरा के होलीपुरा, बटेश्वर, शौर्यपुरा में विभागीय टीम तथा युवा पर्यटन क्लब के छात्र–छात्राओं का एक दल भ्रमण पर गया था। इस दल का भ्रमण कराया जा रहा है। पर्यटन मंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग का ग्रामीण पर्यटन पर काफी जोर है। रूरल टूरिज्म के तौर पर विकसित करने के लिए प्रदेश के 229 गांवों का चयन किया गया है। इन्हीं में से 19 गांव चिह्नित किए गए हैं जहां युवा टूरिज्म क्लब के सदस्य भ्रमण करेंगे। इसी तरह आगरा के होलीपुरा में 38 हवेली, बटेश्वर में 40 मंदिरों और शौर्यपुरा में जैनमंदिर का भ्रमण खास रहा। यहां छात्रों ने इन हवेलियों और मंदिरों के इतिहास को भी जाना। साथ ही छात्रों को ग्रामीण पर्यटन की संभावनाओं से परिचित कराया जा रहा है।

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच की तिरंगा यात्रा में शामिल हुए इन्द्रेश कुमार

लखनऊ। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच की ओर से शुक्रवार को हजरतगंज चौराहे से तिरंगा यात्रा निकाली गयी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारिणी के सदस्य इन्द्रेश कुमार तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। यह जानकारी मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के राष्ट्रीय संयोजक रजा रिजवी ने दी। तिरंगा यात्रा हजरतगंज चौराहे से हलवासिया मार्केट के सामने से होते हुए नॉवेल्टी चौराहा से होते हुए नगर निगम व दारुलशफा के सामने से होते हुए हजरतगंज चौराहे से क्राइस्ट चर्च कालेज हजरतगंज पर पहुँच कर समापन हुआ। कार्यक्रम में भारत माता की जय, मादरे वतन हिन्दुस्तान जिन्दाबाद–जिन्दाबाद, मुस्लिम राष्ट्रीय मंच का नारा है, पीओके हमारा है, देश के मुसलमानों का नारा है, पूरा का पूरा कश्मीर हमारा है आदि राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत नारे के साथ मार्च निकाला गया। आपसी मोहब्बत का पैगाम व पैगाम इन्सानियत का सन्देश देने के लिए इस यात्रा का आयोजन किया गया।

महिला के पेट से निकाला 20 किलो का ट्यूमर, मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने किया ऑपरेशन

उरई/जालौन,(यूएनएस)। जालौन के उरई स्थित राजकीय मेडिकल कॉलेज में अब कठिन से कठिन ऑपरेशन होने शुरू हो गए हैं, जिससे मरीजों को अब बाहर इलाज करने के लिए नहीं जाना पड़ेगा। मरीजों को राजकीय मेडिकल कॉलेज में ही यह सुविधा मिलने लगी है। ऐसा ही मामला आज देखने को मिला जब बच्चेदानी में ट्यूमर की समस्या से जूझ रही एक महिला का मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों द्वारा सफल ऑपरेशन किया गया। करीब एक घंटे तक चले ऑपरेशन के बाद मरीज स्वास्थ्य है उसे वार्ड में शिफ्ट कर दिया है। महिला की बच्चेदानी से लगभग 20 किलो का ट्यूमर निकाला गया, जो ऑपरेशन दिल्ली लखनऊ में होते हैं उसे पहली बार उरई में किया गया। उरई का राजकीय मेडिकल कॉलेज हमेशा मरीजों के लिए रेफर सेंटर बन गया था, यहां पर जो भी मरीज इलाज करने के लिए पहुंचता था उसे सुविधा नहीं मिल पाती थी और उसे हायर सेंटर कानपुर झांसी के लिए रेफर कर दिया जाता था मगर अब यह सुविधा मरीजों को मेडिकल कॉलेज में मिलने लगी है। जालौन के ग्राम खर्रा की रहने वाली एक महिला बच्चेदानी में ट्यूमर की समस्या से जूझ रही थी, मगर आर्थिक स्थित ठीक न होने के कारण वह अपना इलाज नहीं कर पा रही थी। वह उरई के राजकीय मेडिकल कॉलेज में दिखाने के लिए आई, जहां डॉक्टरों ने उसे ट्यूमर की शिकायत बताई, साथ ही उसके ऑपरेशन की सलाह दी। पिछले 1 साल से आर्थिक स्थिति सही न होने के कारण अपना इलाज नहीं कर पा रही थी, बाद में उसने मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर की सलाह पर मेडिकल कॉलेज में ही ऑपरेशन कराने पर मानी, जिसे मेडिकल में भर्ती कराया गया और सभी प्रकार की जांच कराकर सर्जरी आचार्य डा. सुधांशु शर्मा ने अपनी टीम के साथ महिला के बच्चे दानी के ट्यूमर का सफल ऑपरेशन किया। उसके दोनों तरफ ट्यूमर था। ट्यूमर का वजन 20 किलो के लगभग है। डॉ सुधांशु शर्मा ने बताया कि जनपद के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। इनके दो बार ऑपरेशन भी बाहर हो चुके थे और एक साल से पेट में दर्द हो रहा था। वही सफल ऑपरेशन के उपरांत राजकीय मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ आर के मौर्य एवं प्रभारी सीएमएस डॉ प्रशांत निरंजन ने बताया कि मेडिकल कॉलेज के लिए बच्चेदानी के ट्यूमर के ऑपरेशन की बड़ी सफलता मिली है। इस ऑपरेशन के लिए लखनऊ, दिल्ली मरीज को जाना पड़ता था। जहां पर हजारों रुपए खर्च होते थे। वहीं उन्होंने कहा कि इस सफलता के पीछे उनकी डॉक्टरों की टीम को बधाई देते हैं। वहीं प्राचार्य ने कहा कि जनपद के साथ आसपास के जनपद वासियों को बड़े शहर की तर्ज पर मिलने वाली सुविधा मेडिकल कॉलेज में उपलब्ध कराना ही उनका लक्ष्य है। इस दौरान ऑपरेशन टीम में डॉ रितिका, एनेस्थिया डॉ अरुण अहिरवार, डॉ अरबाब, डॉ उस्मान, डॉ भावना मौजूद रहीं।

कजरी महोत्सव का आयोजन, लोकगीतों पर झूम उठे श्रोता

बस्ती। शहर के टाउन क्लब में दो दिवसीय कजरी महोत्सव का समापन धूमधाम से हुआ। जिले व बाहर के विद्यालयों की छात्राओं ने लोक गीत प्रस्तुत किया। जिसे सुन श्रोता झूठ उठे। इस दौरान तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा परिसर गूंजता रहा। राजकीय कन्या इंटर कॉलेज, बेगम खैर, पांडेय गर्ल्स, झिनकू लाल त्रिवेणी राम आदर्श पूर्व माध्यमिक विद्यालय, कटेश्वर पार्क, जीआरएस इंटर कॉलेज, कंपोजिट स्कूल गांधीनगर बस्ती आदि विद्यालयों से आए बड़ी संख्या में बच्चों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति देकर खूब वाहवाही बटोरी। रंग बिरंगे परिधान में बच्चों ने स्टेज पर खूब धमाल मचाया, अभिभाव सहित कार्यक्रम में उपस्थित लोग बच्चों का हौसला बढ़ाते दिखे। कारवां फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष सूरज श्रीवास्तव के संयोजन व रागिनी श्रीवास्तव के निर्देशन में एक से बढ़कर एक कजरी गीतों की प्रस्तुति हुई। इसमें पर्णिका श्रीवास्तव की टीम में रितिका, जया, निखिल, दीपा और श्वेता ने काहे करेलू, पिया मेहंदी, कईसे खेले जइबू सावन, आई झूम झूम, हमका सावन, राधा कान्हा के बुलावे और गरबा पर प्रस्तुति देकर सभी दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया। धनुषधारी चौबे, फैसल ने शक्ति दे मां और हनुमान चालीसा, वर्सेटाइल बैंड हाशिम विक्की और उनकी पूरी टीम, पवन पांडेय व जूही पांडेय ने विभिन्न विधाओं पर लोकगीत व भजन की प्रस्तुति देकर लोगों को खूब आनंदित किया। मंच पर लगी हुई रंगबिरंगी लाइटें भी लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रही थीं। महोत्सव में प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागियों को एसडीएम सदर गुलाब चंद्र, पर्यटन अधिकारी विकास नारायण, नीलम सिंह, राणा दिनेश प्रताप सिंह ने मंच पर सभी कलाकारों को स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन जीजीआईसी की शिक्षिका मानवी सिंह ने किया।

दक्षिणमुखी काले हनुमानजी के मंदिर का खुला पट,रामनगर किले में 2 किलोमीटर तक लगी लंबी लाइन

वाराणसी,(यूएनएस)। वाराणसी के रामनगर किले में स्थित दक्षिणमुखी काले हनुमानजी के दर्शन के लिए शुक्रवार को श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। इस मंदिर का पट आम दर्शनार्थियों के लिए 10 बजे खोल दिया गया। यह परम्परा है की पट को शरद पूर्णिमा के दिन ही खोले जाते हैं। दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। 2 किलोमीटर तक लम्बी लाइन लगी। मंदिर के कपाट खुलते ही जय श्रीराम जय हनुमान और हर– हर महादेव के उद्घोष गूंजते रहे। श्रद्धालुओं का मानना है कि दुर्ग में काले हनुमान जी का दर्शन करने से असाध्य रोगों से मुक्ति मिलती है। भोर की आरती होने के बाद वर्ष में मात्र एक दिन खुलने वाले दुर्ग में दक्षिण छोर पर स्थित दक्षिणमुखी श्यामवर्ण हनुमान के दर्शन के लिए शुक्रवार सुबह से ही लीला प्रेमियों सहित श्रद्धालुओं की लाइन लग गई। दूर के अंदर स्थित प्रसिद्ध दक्षिण मुखी काले हनुमान जी का दर्शन सुबह 10 बजे से शुरू हो गया है जो शाम तक चलेगा। कहा जाता है कि इसके बाद मंदिर का कपाट साल भर के लिए बंद कर दिया जाएगा। इस मंदिर में दर्शन करने के लिए सिर्फ वाराणसी से ही नहीं बल्कि आसपास के जिलों से भी श्रद्धालु पहुंचते हैं। वही लाइन में खड़े होकर प्रभु पवन पुत्र हनुमान के दर्शन करते हैं। मान्यता है कि दक्षिणमुखी काले हनुमान जी का संबंध त्रेतायुग में श्रीराम–रावण युद्ध काल से है। तब रामेश्वरम् में लंका जाने के लिये जब भगवान राम समुद्र से रास्ता मांग रहे थे। उस समय समुद्र ने पहले तो उन्हें रास्ता नहीं दिया। इस पर कुपित होकर श्रीराम ने बाण से समुद्र को सुखा देने की चेतावनी दी। इस पर भयभीत होकर प्रकट हुए समुद्र द्वारा श्रीराम से माफी मांगी गई और अनुनय–विनय किया गया। इसके बाद श्रीराम ने प्रत्यंचा पर चढ़ चुके उस बाण को पश्चिम दिशा की ओर छोड़ दिया।

मंच पर लेडी आर्मी ने आतंकियों को मार गिराया, छात्राओं ने शहीद को कंधा दिया तो रोने लगे भानु प्रताप

उरई/जालौन, (यूएनएस)। जालौन के उरई में गुरुवार की रात टाउन हाल के मैदान में देशभक्ति का कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस दौरान आर्मी का रोल छात्राओं ने निभाया। मंच पर लेडी आर्मी ने एक सीन का मंचन किया, जिसमें बॉर्डर पर लेडी आर्मी का आतंकियों से सामना हुआ। इसमें कई आतंकी ढेर हो गए। वहीं भारतीय सेना के जवान भी इसमें शहीद हुए। इसके बाद शहिद का पार्थिव शरीर घर पहुंचता है तो उनके माता–पिता और परिवार के लोग चीखने–चिल्लाने लगते। इसी भावुक पल को देखकर वहां मौजूद मंत्री भानु प्रताप और अन्य लोग रो पड़े। भाजपा के दोनों नेताओं की रोते हुए तस्वीर कैमरे में कैद हो गई। इस कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री भानु प्रताप वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉक्टर घनश्याम अनुरागी तथा उरई और माधौगढ़ के विधायक पहुंचे थे। बता दें कि मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 15 अगस्त के पहले पूरे देश में मेरी माटी मेरे देश कार्यक्रम की शुरुआत की गई थी। इसी के तहत जालौन के 9 विकास खंड के अलग–अलग इलाकों से मटकी में लाई गई मिट्टी को उरई के टाउन हॉल में रखा गया। इस दौरान बच्चों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम में बच्चों द्वारा देशभक्ति के प्रेरित कार्यक्रम और नाटक प्रस्तुत किया।मंच से स्कूली बच्चों ने बॉर्डर पर होने वाले युद्ध तथा आतंकी घटनाओं से जुड़ा हुआ नाटक प्रस्तुत किया। जिसमें सैनिकों को शहीद होते हुए और उनके शव को घर में माता–पिता के सामने लाने वाले क्षण को देख केंद्रीय राज्य मंत्री भानु प्रताप वर्मा तथा जिला पंचायत अध्यक्ष डॉक्टर अनुरागी भावुक हो गए। वह रोने लगे। उनकी रोने की तस्वीरें कैमरे में कैद हो गई।

इस दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री भानु प्रताप वर्मा ने कहा कि बच्चों द्वारा जो नाटक प्रस्तुत किया गया, वह वास्तव में सभी को भावुक कर देने वाला था। क्योंकि बॉर्डर पर पहले ऐसे ही हालात होते थे, आए दिन आतंकी घटनाओं में देश का जवान शहीद हो जाता था। मगर केंद्र में मोदी सरकार आने पर हालात बदले और आतंकी घटनाओं पर लगाम लगाया और देश का सैनिक सुरक्षित है।

मिनिस्ट्री ऑफ गुड सोल्स, लखनऊ में चांदी के आभूषणों का स्वर्ग

लखनऊ। डीआरएस जेम्स एंड ज्वेल्स प्राइवेट लिमिटेड, आभूषण की दुनिया में एक प्रसिद्ध नाम, गर्व से अपना नवीनतम उद्यम 'मिनिस्ट्री ऑफ गुड सोल्स' (एमओजीएस) प्रस्तुत करता है। चांदी के आभूषणों की खुदरा श्रृंखला के आकर्षण को फिर से परिभाषित करने के लिए समर्पित है। 35 वर्षों की विरासत के साथ, डीआरएस जेम्स एंड ज्वेल्स ने इस उद्योग में अपने अधिकृत रिटेलर नेटवर्क के माध्यम से लगातार असाधारण गुणवत्ता प्रदान की है और अब चांदी के आभूषणों की दुनिया में एक नई क्रांति लाने के लिए तैयार है। एमओजीएस सिर्फ एक रिटेल आउटलेट ही नहीं है बल्कि चांदी के अनूठे आकर्षण की सराहना करने वाले कुछ समझदार व जागरूक लोगों की जरूरतों को पूरा करने की दृष्टि का प्रतीक भी है। ऐसी दुनिया जहां चांदी की सुंदरता को महत्व देने वालों और पारंपरिक सोने के प्रति आसक्त लोगों के बीच विभाजन स्पष्ट है, एमओजीएस यहां विशिष्ट शैलियों और क्षमा न करने वाले रवैये वाले व्यक्तियों को सशक्त व मजबूत बनाने के लिए है। अच्छी गुणवत्ता का मंत्रालय उन लोगों के लिए है, जो उज्ज्वल के बजाय सही विकल्प में विश्वास करते हैं, उनके लिए जो सतही चमक.दमक के बजाय पदार्थ को महत्व देते हैं।जो बात एमओजीएस को औरों से अलग करती है, वह है इसकी गुणवत्ता के प्रति प्रतिबद्धता और समर्पण। पेश किए गए सभी चांदी के आभूषण शुद्ध 925 चांदी से बने हैं, जो स्थायित्व और शाश्वत सुंदरता दोनों सुनिश्चित करते हैं। ये चीजें न केवल दैनिक रूप से पहनने के लिए उपयुक्त हैं, बल्कि उन विशेष अवसरों के लिए भी खासा व बेहतरीन हैं जहां आप आभूषणों के साथ भीड़ में एक अलग ही पहचान बनाना चाहते हैं। यहां की प्रत्येक चीजें कला का एक बेहतरीन नमूना हैं, जिसे अपने ग्राहकों की विशेष जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, फैशन रुझानों की उभरती मांगों को पूरा करने के लिए सावधानीपूर्वक डिजाइन किया गया है। एमओजीएस आउटलेट आकार में छोटा हो सकता है किंतु यह विश्वसनीयता के मामले में बहुत बड़ा है। एमओजीएस की टीम बाजार में उपलब्ध सबसे शानदार चांदी के आभूषणों से ग्राहकों को प्रसन्न करने में गर्व महसूस करती है। स्टोर को चौथी पीढ़ी के जौहरी द्वारा पेशेवर रूप से प्रबंधित किया जाता है, जो यह सुनिश्चित करता है कि गुणवत्ता और शिल्प कौशल की विरासत चमकती रहे। मिनिस्ट्री ऑफ गुड सोल्स सिर्फ एक आभूषण की दुकान नहीं है, बल्कि यह आपकी व्यक्तिगत स्टर्लिंग चांदी आभूषण कैबिनेट है, जो आत्मा से बात करने वाले उत्कृष्ट डिजाइनों की एक श्रृंखला पेश करती है। यह उद्यम ग्राहकों को समय की कसौटी पर खरे उतरने वाले असाधारण उत्पाद उपलब्ध कराने की डीआरएस जेम्स एंड ज्वेल्स प्राइवेट लिमिटेड की अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। जो लोग चांदी की स्थायी सुंदरता में विश्वास करते हैं और अपनी शैली के साथ एक बयान देना चाहते हैं, उनके लिए मिनिस्ट्री ऑफ गुड सोल्स पसंदीदा स्थान है। आज ही हमसे मिलें और चांदी के पुनर्परिभाषित आकर्षण को जानें! 3 ले प्रेस, (ऑनर्स कैफे के पास) नवल किशोर रोड, हजरतगंज, लखनऊ के चर्चित पते पर स्थित। एमओजीएस आउटलेट आकार में छोटा हो सकता है लेकिन यह विश्वसनीयता के मामले में बहुत बड़ा एवं व्यापक है। एमओजीएस की टीम बाजार में उपलब्ध सबसे शानदार चांदी के आभूषणों से ग्राहकों को खुश करने में गर्व महसूस करती है। स्टोर को चौथी पीढ़ी के जौहरी द्वारा पेशेवर रूप से संचालित किया जाता है, जो यह सुनिश्चित करता है कि वर्षों की गुणवत्ता और शिल्प कौशल की विरासत इसी तरह हमेशा बरकरार रहकर चमकती रहे। मिनिस्ट्री ऑफ गुड सोल्स सिर्फ एक आभूषण की दुकान नहीं है, यह आपकी व्यक्तिगत स्टर्लिंग चांदी आभूषण कैबिनेट है, जो दिल से बात करने वाले उत्कृष्ट डिजाइनों की एक खूबसूरत श्रृंखला पेश करती है। यह उद्यम ग्राहकों को समय की कसौटी पर खरे उतरने वाले असाधारण उत्पाद उपलब्ध कराने की डीआरएस जेम्स एंड ज्वेल्स प्राइवेट लिमिटेड की अटूट प्रतिबद्धता का साक्षात प्रमाण है। जो लोग चांदी की स्थायी सुंदरता में विश्वास करते हैं और अपनी शैली के साथ एक अलग एहसास चाहते हैंए उनके लिए मिनिस्ट्री ऑफ गुड सोल्स पसंदीदा स्थान है।

जिला महिला अस्पताल में महिला और उसके बच्चे की मौत, अस्पताल में जमकर हंगामा

आगरा,(यूएनएस)। आगरा के जिला महिला अस्पताल में चिकित्सकों की लापरवाही के चलते एक जच्चा और बच्चा दोनों की मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि जब हमने अपने मरीज को अस्पताल में भर्ती किया था। उस समय वह बिल्कुल सही थे। नर्स और चिकित्सकों की लापरवाही की वजह से मरीज की मौत हो गई है। उसके पेट में जो बच्चा था, उसकी भी मौत हो गई। महिला की मौत के बाद परिजनों ने जिला महिला अस्पताल में जमकर हंगामा किया। किसी तरह उन्हें शांत कराया गया।

आगरा के मधु नगर निवासी जीतू अपनी पत्नी काजल की डिलीवरी कराने के लिए जिला महिला अस्पताल में गुरुवार रात करीब 9.00 बजे लेकर आए थे। इसके बाद उसे भर्ती कर दिया गया। अस्पताल में मौजूद महिला कर्मचारियों का कहना था कि आपकी पत्नी की जल्दी ही डिलीवरी हो जाएगी। लेकिन देर रात तक महिला की डिलीवरी नहीं हुई। शुक्रवार सुबह करीब 9:00 बजे इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। जिससे परिजन काफी गुस्सा गए और उन्होंने जिला महिला अस्पताल में हंगामा किया। चिकित्सकों व कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया। मधु नगर में जिस घर में जीतू किराए पर रहता है। उस घर की मकान मालकिन सोनिया ने बताया कि जीत की आर्थिक स्थिति सही नहीं है। ऐसे में उसकी पत्नी को डिलीवरी के लिए जिला महिला अस्पताल में भर्ती किया था, लेकिन चिकित्सकों की लापरवाही से महिला और उसके पेट में मौजूद बच्चा दोनों खत्म हो गए।

मृतक महिला काजल के पड़ोस में रहने वाली एक और महिला जिला अस्पताल में उसकी देखभाल के लिए आई थी। उन्होंने बताया कि रात को हमने अपने मरीज को यहां पर भर्ती किया। लेकिन डिलीवरी नहीं हो रही थी। इस दौरान महिला कर्मचारियों ने काजल के पेट में घूसे और लात मारी थी। मैंने इसलिए नहीं रोका, क्योंकि मुझे लगा शायद नॉर्मल डिलीवरी के लिए ऐसा किया जाता होगा। वहीं महिला कर्मचारियों ने काफी अभद्रता भी की। वहीं काजल के पति जीतू ने बताया कि रात को 10.30 बजे मैंने अपनी पत्नी को अस्पताल में भर्ती किया था। 6 नंबर वार्ड में मेरी पत्नी भर्ती हुई थी। डॉक्टर ने सुबह 4.00 बजे डिलीवरी का समय दिया था। जब सुबह दर्द होने लगे तो डॉक्टर आए लेकिन डिलीवरी नहीं हो रही थी। इस दौरान मेरी पत्नी के साथ मारपीट की गई। उसके पेट पर घूसे मारे गए। करीब सुबह 7.00 बजे मुझसे कहा गया कि अपनी पत्नी को अब आप एसएन मेडिकल कॉलेज ले जाओ। यह केस हमारे हाथ से निकल गया है। पति जीतू ने बताया कि जब डाक्टरों ने पत्नी को रेफर किया तो उस समय उसकी हालत बहुत खराब थी। वहीं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अरुण श्रीवास्तव ने बताया कि रात को करीब 10.30 से 11.00 बजे के आसपास महिला जिला महिला अस्पताल में भर्ती हुई थी। महिला की हालत ज्यादा खराब थी। अस्पताल में डिलीवरी नहीं हो पा रही थी। इसीलिए उसे एसएन मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर किया गया था। लेकिन एसएन ले जाने से पहले ही रास्ते में महिला की मौत हो गई।

जिला महिला अस्पताल की अधीक्षक का डॉ नीलम रानी का कहना है कि महिला को अस्पताल में डिलीवरी के लिए भर्ती किया गया था। पेट में बच्चे ने पॉटी कर दी थी, जिसकी वजह से इंफेक्शन फैलने का डर था। ऐसे में महिला को परेशानी हो सकती थी, इसीलिए उसे एसएन मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया था।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।